ISSN 2349-6614

मार्च 2020

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

आईपीएल 2020

29 मार्च से 17 मई तक लीग मैच

फाइनल मैच 24 मई

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 18 अंक 1 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

TO RISE ABOVE
STEP BY STEP
SCHOOL

Step By Step School

CBSE Affiliated No. 1730602

(Class Play Group To XII)

Day Boarding & Hostel Facility

Transport Facility Available

Sector 11, Udaipur-313002
Jogi Ka Talab, Opp. Nehla, Nr. Sec.14
Contact No. 0294-2483932, 2481567, 9680520421
E-mail ID: stepbystepschool11@gmail.com, website : sbsudaipur.com

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

रंग और उमंग के त्योहार, होली की हार्दिक शुभकामनाएं

मार्च
2020
वर्ष 18, अंक 1

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

अन्दर के पृष्ठों पर...

11 संक्रमण

कोविड-19 ... ज़िंदगी को चुनौती

20 वन्य प्राणी

संकट में जंगल का राजा

22 स्त्री विमर्श

अब न्याय हमारा नारा है

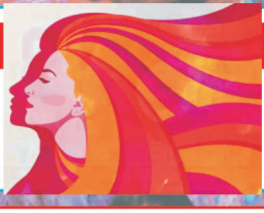

31 ज्वलंत प्रश्न

इनकी घर वापसी कब ?

37 अर्थक्षेत्रे

कल के भरोसे अर्थव्यवस्था

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा
AADHAR PRODUCTS
डिसाइड®
वाशिंग पाउडर
हमारे अन्य उत्पाद
डिसाइड वाशिंग पाउडर
डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
एडवाइस वाशिंग पाउडर
एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
डिसाइड डिशवाश बार
डिसाइड डिशवाश टब
डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
डिसाइड नमक
डिसाइड बाथ सोप
AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174
FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com
www.aadharproducts.in

राजनीति में शुचिता की एक अहम कोशिश

राजनीति के बढ़ते अपराधीकरण से चिंतित सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने की 13 तारीख को तमाम राजनैतिक दलों को निर्देश दिए कि वे चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के खिलाफ लम्बित आपराधिक मामलों का विवरण अपनी-अपनी वेबसाइट, फेसबुक व ट्विटर जैसे सोशल मीडिया के मंचों पर अनिवार्य रूप से साझा करें। न्यायमूर्ति आरएफ नरीमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि दलों को ऐसे लोगों को उम्मीदवार के रूप में चयन करने की वजह भी बतानी होगी, जिनके खिलाफ आपराधिक मामले लम्बित हैं।

भारतीय राजनीति में शुचिता के लिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश एक अहम कोशिश है। जिसका सब तरफ से स्वागत हुआ है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने भी इसका स्वागत किया है। भाजपा का कहना है कि इससे लोकतंत्र मज़बूत होगा। कांग्रेस ने इसे राजनीति के शुद्धिकरण की दिशा में मील का पत्थर बताया है। इन दोनों ही प्रमुख दलों से भी चुनावों में दागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरते रहे हैं। खैर, देर आयद, दुरस्त आयद' के लिए श्रेय तो सुप्रीम कोर्ट को ही दिया जाएगा। सर्वोच्च अदालत ने जिस तरह का रूख अख्तियार किया है, उससे राजनैतिक दलों को अब तो सबक लेना ही होगा और दामन पर दाग वाले लोगों को प्रत्याशी बनाने से बाज आना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि नेताओं के चरित्र से ही राजनीति का चरित्र बनता है। यदि नेता ही आपराधिक पृष्ठभूमि वाला है तो वह जनता को क्या संदेश दे पाएगा? पिछले कुछ दशकों से तो दागियों को चुनाव का टिकट थमा देने की एक परम्परा सी चल पड़ी है, राजनैतिक दल प्रत्याशी के चरित्र और समाज के उत्थान में उसके योगदान का आकलन करने की बजाय उसकी जीत का पैमाना बाहुबल, धन और निर्वाचन क्षेत्र में उसके दबदबे को बनाते रहे हैं। अच्छा तो यह होता राजनैतिक दल खुद आपराधिक छवि वाले लोगों के राजनीति में प्रवेश को रोकने की मुहिम चलाते। सुप्रीम कोर्ट को इस दिशा में जनहित याचिका पर संज्ञान लेना पड़ा, यही बात इन दलों की विकृत मानसिकता को दर्शाती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में न केवल सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों के लम्बित आपराधिक मामलों को साझा करने को कहा है बल्कि यह भी कहा है कि ऐसी जानकारी एक स्थानीय भाषा व एक राष्ट्रीय समाचार पत्र में छपवाने के साथ 72 घंटे के भीतर सम्पूर्ण जानकारी चुनाव आयोग को भी देनी होगी। राजनीति का आपराधीकरण वस्तुत: हमारी राजनैतिक व्यवस्था की एक ऐसी लाइलाज बीमारी बन चुकी है, जिसका इलाज खोजना अब बहुत ज़रूरी है, नहीं तो इसके संक्रमण से हमारी सम्पूर्ण लोकतांत्रिक प्रणाली बेदम हो जाएगी। इस समस्या से निपटना कोई असंभव काम भी नहीं है, लेकिन हमारे नेताओं ने कभी इस दिशा में प्रयास ही नहीं किए या यूं कहें कि राजनीतिक स्वार्थों के चलते ऐसा करना उन्होंने ज़रूरी नहीं समझा। सुप्रीम कोर्ट तो समय-समय पर इस दिशा में संकेत ही नहीं करता रहा है, बल्कि उसने तो राजनीति में दागियों का प्रवेश रोकने के लिए संसद को कानून बनाने तक की पूर्व में सलाह भी दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए आपराधिक रिकार्ड वाले लोगों को चुनाव से दूर रखने के लिए जो शिकंजा कसा है, उससे बचने की पतली गलियां ढूंढना अब राजनैतिक दलों के लिए कठिन होगा। ऐसे में उन्हें खुद को इसकी अनुपालना में ईमानदारी बरतने के लिए तैयारी कर लेनी चाहिए। शायद ही कोई राजनैतिक दल ऐसा हो जिसमें दागदार नेता न हों, जिन पर कोई आपराधिक मामला न चल रहा हो। आमतौर पर राजनैतिक दल दागदार नेताओं को टिकट देने से इसलिए परहेज नहीं करते, क्योंकि वे किसी भी कीमत पर चुनाव जीतने की ताकत रखते हैं। राजनैतिक दलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण भी यही होता है कि ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल हो, भले ही अपने उम्मीदवार का आपराधिक रिकार्ड ही क्यों न हो।

देश में नेतृत्व के स्तर पर सुधार सबसे जरूरी है, इसलिए जिस जनहित याचिका के तहत शीर्ष अदालत ने निर्देश दिए हैं, उसके लिए जनहित याचिका दायरकर्त्ता की भी प्रशंसा करनी होगी। प्रत्येक नागरिक को इसी तरह राजनीति की शुचिता और स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की गरिमा के लिए चौकन्ना रहना होगा। भारतीय राजनीति के अपराधीकरण या राजनीति में अपराधियों के हस्तक्षेप पर एनएन वोहरा समिति ने 1993 में एक रिपोर्ट दी थी, जो संसद में पेश भी हुई थी। उस बात को 27 साल पूरे होने को हैं, राजनीति में दागियों का प्रवेश अथवा भूमिका बजाय कम होने के उसका निरन्तर फैलाव हो रहा है। इसकी मिसाल भी मौजूद है। सन् 2004 के आम चुनाव में 24 प्र.श. दागी चुने गए थे, 2009 में 30 प्र.श., 2014 के चुनाव में 34 प्र.श. और 2019 के चुनाव में विजेता दागियों का प्रतिशत बढ़कर 43 हो गया। इसके लिए राजनैतिक दल तो दोषी हैं ही, मतदाता भी कम जिम्मेदार नहीं है। उन्हें भी अपना ज़मीर टटोलना होगा कि क्यों वे इस तरह के दागियों को अपना प्रतिनिधि बनाकर लोकतंत्र के मंदिर की सीढ़ियां चढ़ने का अधिकार देते रहे हैं। हम क्यों दागियों को वोट दे रहे हैं, चिन्तन ज़रूरी है। जनता को इस सम्बन्ध में न्यायपालिका और चुनाव आयोग पर ही निर्भर नहीं रहना है, अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह भी करना है।

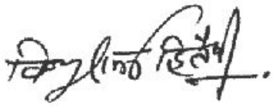

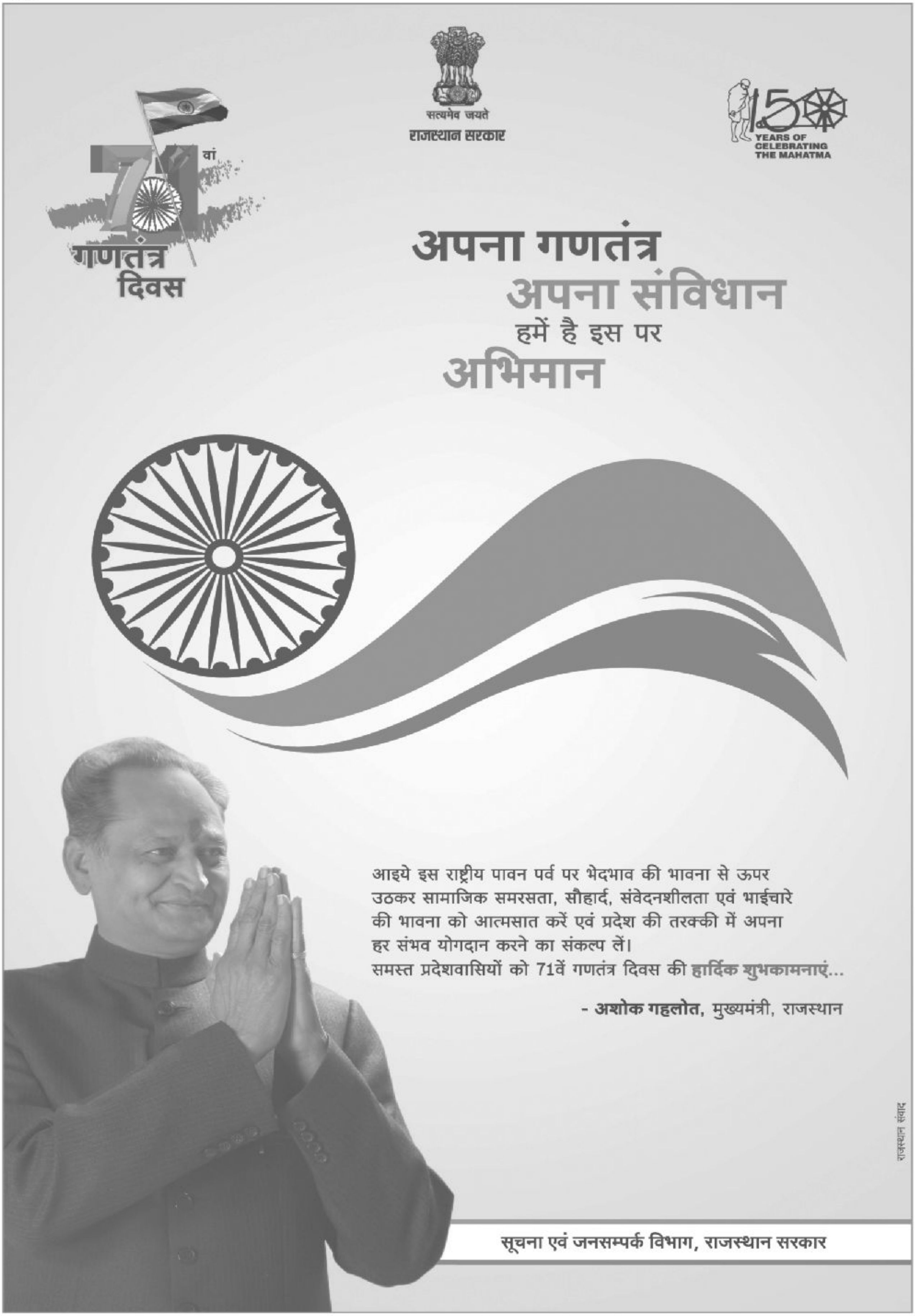
71 वां
गणतंत्र दिवस
सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA
अपना गणतंत्र
अपना संविधान
हमें है इस पर
अभिमान
आइये इस राष्ट्रीय पावन पर्व पर भेदभाव की भावना से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता, सौहार्द, संवेदनशीलता एवं भाईचारे की भावना को आत्मसात करें एवं प्रदेश की तरक्की में अपना हर संभव योगदान करने का संकल्प लें।
समस्त प्रदेशवासियों को 71वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
- अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान
राजस्थान संवाद
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

राम मंदिर निर्माण में नहीं होगा, राजनैतिक हस्तक्षेप

❁ केन्द्र सरकार ने गठित किया 15 सदस्यीय ट्रस्ट ❁ 19 फरवरी की पहली बैठक में कई अहम फैसले ❁ महंत नृत्य गोपालदास अध्यक्ष व चंपतराय महासचिव चुने गए ❁ जल्दी ही घोषित होगी निर्माण कार्य शुरू होने की तिथि।

✍ रमेश गिरी

अयोध्या में भव्य राममंदिर निर्माण के लिए केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने ट्रस्ट बनाने के प्रस्ताव पर अपनी मोहर लगा दी है। प्रधानमंत्री ने 5 जनवरी को लोकसभा में इसकी घोषणा भी की। ट्रस्ट का नाम 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' होगा। जो निर्माण और उससे सम्बन्धित विषयों पर निर्णय के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होगा। कानून के तहत अधिग्रहित सम्पूर्ण भूमि जो लगभग 67,703 एकड़ है, पर नवगठित ट्रस्ट का अधिकार होगा। दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में होगा। ट्रस्ट में 15 सदस्य होंगे। इनमें एक ट्रस्ट हमेशा दलित समाज से होगा। प्रधानमंत्री ने ट्रस्टियों के नामों की घोषणा करते हुए खुद को और गृहमंत्री अमित शाह को भी इससे अलग रखा है। ट्रस्ट में न कोई राजनैतिक नेता है और न ही राजनीतिक पार्टी।

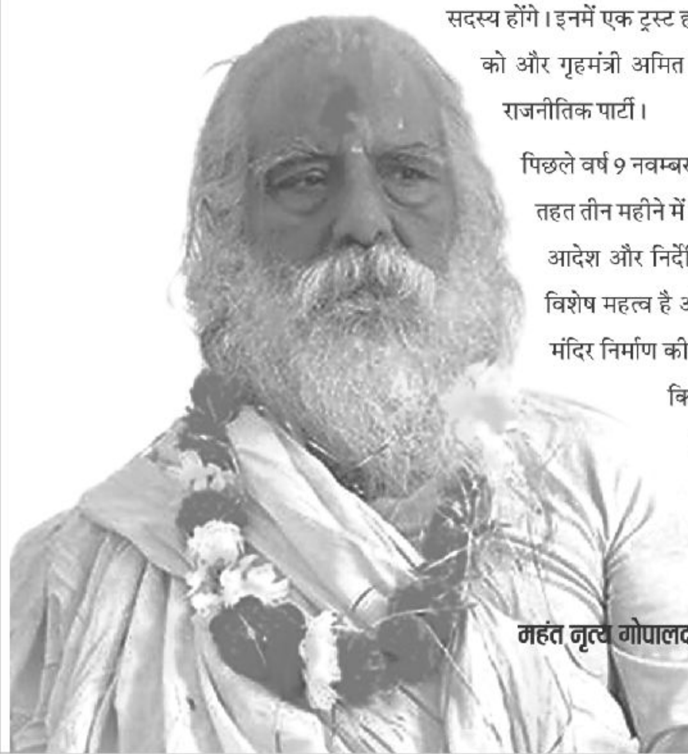

महंत नृत्य गोपालदास

पिछले वर्ष 9 नवम्बर को सर्वोच्च न्यायालय ने अयोध्या मामले में अपना अंतिम फैसला सुनाया था। जिसके तहत तीन महीने में केन्द्र सरकार को मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट की स्थापना करनी थी। शीर्ष न्यायालय के आदेश और निर्देशित प्रक्रिया के तहत मंदिर निर्माण की दिशा में कदम-दर-कदम बढ़ने का अपना विशेष महत्व है और प्रधानमंत्री ने यह मियाद पूरी होते-होते ट्रस्ट गठन का ऐलान कर दिया है। इससे मंदिर निर्माण की राजनीति पर अंकुश लगा। प्रधानमंत्री ने शीर्ष अदालत के फैसले को लेकर कहा था कि 'यह न किसी की जीत है और न ही हार' उनकी इसी भावना के अनुरूप मंदिर का निर्माण होना और देश में सद्भावना का वातावरण कायम रहना चाहिए। मंदिर निर्माण में वे ही लोग संलग्न हों, जिनके हृदय में राम का भाव हो। ऐसे सन्तों, मठाधीशों और राजनेताओं को इससे दूर ही रहना चाहिए, जो केवल अपनी महन्ताई या राजनीति चमकाने में ही रहे हैं। किसी विशेष समूह, सम्प्रदाय या अखाड़ा भी इसमें व्यर्थ की परेशानियां पैदा नहीं करनी चाहिए।

ट्रस्ट की पहली बैठक

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की 19 फरवरी विजया एकादशी को सुप्रीम कोर्ट में हिन्दू पक्ष के मुख्य पैरोकार रहे एडवोकेट के. परासरन के दिल्ली

चंपतराय

स्थित आवास पर हुई पहली बैठक में महन्त नृत्यगोपाल दास को ट्रस्ट का अध्यक्ष और विश्व हिन्दू परिषद के उपाध्यक्ष चम्पतराय को महासचिव चुना गया। इन्हें ट्रस्ट के नामित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। नौकरशाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव रहे नृपेन्द्र मिश्रा को एक्स ऑफिसिओ सदस्य के तौर पर मन्दिर निर्माण समिति के चेयरमैन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वामी गोविन्ददेव गिरी कोषाध्यक्ष होंगे।

इस बैठक में कई अहम फैसले हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास ने बताया कि मन्दिर निर्माण की तारीख अभी तय नहीं की गई है। लोगों की भावनाओं का आदर करते हुए निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा, जिसका निर्णय होली के बाद होने वाली ट्रस्ट की बैठक में होगा। बैंक अकाउंट खोलने के साथ ही दिल्ली की एक फर्म वी. शंकरन अय्यर एण्ड कम्पनी को बतौर चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट नियुक्ति दी गई। ट्रस्ट की संरचना के अनुरूप नामित सदस्यों के तौर पर गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव ज्ञानेश कुमार, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव(गृह) अवनीश अवस्थी और अयोध्या के मौजूदा जिला कलेक्टर अनुज कुमार को ट्रस्ट में शामिल किया गया है।

अन्नक्षेत्र भी बने

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को एक ऐसा अन्न क्षेत्र भी बनाना होगा, जहां राम दरबार से किसी वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का कोई भी व्यक्ति बिना प्रसाद लिए न लौटे। ट्रस्ट को अपनी भूमिका से दुनिया को यह दिखाने का अवसर है कि जिस मंदिर के लिए अनुयाइयों ने एक लम्बा संघर्ष किया, वे अपने 'राम' की आराधना में कितने समर्पित और दत्तचित्त हैं। जिस प्रेम और सद्भाव के साथ मंदिर निर्माण आरंभ हो रहा है, उतने ही प्रेम से सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड को शीर्ष अदालत के आदेशानुसार उत्तरप्रदेश के धन्नीपुर क्षेत्र में आवंटित भूमि पर मस्जिद का निर्माण कर शांति, सद्भाव और समरसता की भारतीय परम्परा को और मज़बूत करने में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहिए।

नवगठित ट्रस्ट को मंदिर निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के अलावा रामलला विराजमान को चढ़ावे में मिले करीब 11 करोड़ रुपये और स्वर्ण आभूषण भी सौंपे जाएंगे। चढ़ावे की यह राशि भारतीय स्टेट बैंक की अयोध्या शाखा में जमा बताई जाती है। दिसम्बर 1992 की घटना के बाद तत्कालीन केन्द्र सरकार ने जनवरी 1993 को भूमि अधिग्रहण कानून पारित किया था। 1994 में मोहम्मद इस्माइल फारूखी के केस की सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने इस कानून को मान्यता दे दी थी। तभी से भारतीय स्टेट बैंक में खाता खुलवाकर रामलला के दानपात्र की धनराशि जमा कराई जाती रही है। यह भी जानकारी दी गई कि चढ़ावे की इस धनराशि के अलावा स्वर्णाभूषण भी हैं जिनका फिलहाल मूल्यांकन नहीं कराया गया है। यह सभी आभूषण जिला कोषागार में रखवाए गए हैं। ट्रस्ट को बैंक राशि के अलावा यह आभूषण भी प्रदान किए जाएंगे।

शिलाओं की सफाई का काम शुरू हुआ

श्रीराम जन्मभूमि कार्यशाला में राम मंदिर निर्माण के लिए तराश कर रखी शिलाओं और खंभों की सफाई का काम शुरू कर दिया गया है। कार्यशाला में पत्थर तराशने का काम कुछ वर्षों से बंद था। इससे पहले राजस्थान से पत्थर मंगाकर तराशी का काम चल रहा था। तराश कर रखे गए इन पत्थरों से विश्व हिन्दू परिषद और रामजन्मभूमि न्यास के प्रस्तावित मॉडल के अनुसार मंदिर की पहली मंजिल तैयार हो जाएगी। यानी इन पत्थरों से पूर्व प्रस्तावित मॉडल के अनुसार 60 फीसदी का काम पूरा हो जाएगा।

हस्तान्तरित होगी न्यास की सम्पत्ति

श्रीरामजन्मभूमि न्यास की सम्पत्ति भी नवगठित ट्रस्ट को हस्तान्तरित की जाएगी। राम मंदिर आन्दोलन के दौरान रामजन्मभूमि न्यास का गठन कर मंदिर निर्माण के लिए देशभर के छह लाख गांवों में रामभक्तों से सवा-सवा रुपए का दान एकत्र किया गया था। मणिराम छावनी के पीठाधीश्वर एवं श्रीरामजन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास महाराज का कहना है कि इससे करीब आठ करोड़ की धनराशि एकत्र की गई थी। इसी धनराशि से मंदिर निर्माण के पत्थर इत्यादि की खरीद की गई और कारीगरों को भी इसी से भुगतान किया गया। अब कोई धनराशि खाते में शेष नहीं है लेकिन न्यास की जो भी अचल सम्पत्ति होगी, वह ट्रस्ट को समर्पित कर दी जाएगी।

एल एण्ड टी करेगी निर्माण

राम मंदिर का निर्माण संभवत: देश की बड़ी निर्माण कंपनी लार्सन एण्ड ट्यूब्रो कराएगी। वर्ष 2011 में ही अशोक सिंहल ने इस कम्पनी को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी सौंप दी थी। आधुनिक मशीनों से ही मंदिर निर्माण के दौरान भारी-भरकम पत्थरों व शिलाओं को उठाया व रखा जा सकता है, वह काम यही कंपनी करेगी। विहिप के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राम मंदिर निर्माण प्रोजेक्ट के प्रमुख रणनीतिकार चंपत राय ने ट्रस्ट की बैठक से पूर्व यह बड़ा खुलासा करते हुए कार सेवकपुरम में बताया कि आर्किटेक्ट ने डिजाइन तैयार कर दिया लेकिन निर्माण में जिन आधुनिक मशीनों की जरूरत है, वह किसी निर्माण एजेंसी के पास ही हो सकती है। उन्होंने बताया कि इसीलिए वर्ष 2011 में विहिप सुप्रीमो अशोक सिंहल ने मुम्बई में जाकर लार्सन एण्ड ट्यूब्रो के ग्रुप प्रबंधन से बातचीत की थी और राम मंदिर निर्माण का श्रेय लेने का आमंत्रण दिया था।

ट्रस्ट की सरंचना (केंद्र सरकार के अनुसार)

1. के. पाराशरण : सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील हैं। इन्होंने अयोध्या मामले में 9 साल हिन्दू पक्ष की पैरवी की। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी सरकार में अटॉर्नी जनरल रहे। पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित।

2. जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वतीजी महाराज (प्रयागराज) : बद्रीनाथ स्थित ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य। हालांकि, इनके शंकराचार्य बनाए जाने पर विवाद भी रहा। पदवी पर हाईकोर्ट में केस हुआ था।

3. विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र : अयोध्या राजपरिवार के वंशज। रामायण मेला संरक्षक समिति के सदस्य और समाजसेवी। 2009 में बसपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा, हारे। फिर कभी राजनीति में नहीं आए।

4. युगपुरुष परमानंद जी महाराज : अखंड आश्रम हरिद्वार के प्रमुख। वेदांत पर इनकी 150 से ज्यादा किताबें। साल 2000 में संयुक्त राष्ट्र में आध्यात्मिक नेताओं के शिखर सम्मेलन को सम्बोधित किया था।

5. स्वामी गोविन्द देव गिरि जी महाराज : महाराष्ट्र के अहमद नगर में 1950 में जन्म हुआ। देश-विदेश में प्रवचन। स्वामी गोविन्द देव महाराष्ट्र के विख्यात आध्यात्मिक गुरु पांडुरंग शास्त्री अठावले के शिष्य हैं।

6. जगतगुरु मध्वाचार्य स्वामी विश्व प्रसन्नतीर्थ जी महाराज : कर्नाटक के उडुपी स्थित पेजावर मठ के 33वें पीठाधीश्वर हैं।

7. डॉ. अनिल मिश्र, होम्योपैथिक डॉक्टर : मूलरुप से अम्बेडकर नगर निवासी अनिल अयोध्या के प्रसिद्ध होम्योपैथी डॉक्टर हैं। संघ के अवध प्रांत के प्रांत कार्यवाह भी हैं।

8. श्री कामेश्वर चौपाल, पटना(एससी सदस्य) : संघ ने कामेश्वर को पहले कार सेवक का दर्जा दिया है। उन्होंने 1989 में राम मंदिर में शिलान्यास की पहली ईंट रखी थी। राम मंदिर आन्दोलन में सक्रिय भूमिका और दलित होने के नाते उन्हें यह मौका दिया गया। 1991 में रामविलास पासवान के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा।

9. बोर्ड ऑफ ट्रस्टी द्वारा नामित एक ट्रस्टी, जो हिन्दू धर्म का हो।

10. बोर्ड ऑफ ट्रस्टी द्वारा नामित एक ट्रस्टी, जो हिन्दू धर्म का हो।

(बिन्दु 9 और 10 में क्रमशः महंत नृत्यगोपालदास और चंपतराय को ट्रस्ट की पहली बैठक में समायोजित किया गया है।)

11. महंत दिनेन्द्र दास : अयोध्या के निर्मोही अखाड़े बैठक के प्रमुख। ट्रस्ट की बैठकों में उन्हें वोटिंग का अधिकार नहीं होगा।

12. केन्द्र सरकार द्वारा नामित एक प्रतिनिधि, जो हिन्दू धर्म का आईएएस अफसर होगा। यह भारत सरकार के संयुक्त सचिव के पद से नीचे नहीं होगा।

(बैठक में ज्ञानेश कुमार को नियुक्त किया गया)

13. राज्य सरकार द्वारा नामित एक प्रतिनिधि, जो हिन्दू और उप्र सरकार के अंतर्गत आईएएस अफसर होगा। राज्य के सचिव के पद से नीचे नहीं होगा।

(उप्र सरकार के अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी को वियुक्त किया गया)

14. अयोध्या जिले के कलेक्टर पदेन ट्रस्टी होंगे। वे हिन्दू होंगे। किसी कारण से कलेक्टर हिन्दू धर्म के नहीं हैं, तो अयोध्या के एडिशनल कलेक्टर(हिन्दू धर्म) पदेन सदस्य होंगे।

(बैठक में मौजूदा जिला कलेक्टर अनुज कुमार को नामित किया गया)

15. राम मंदिर विकास, प्रशासनिक मामलों के चेयरमैन की नियुक्ति ट्रस्टियों का बोर्ड करेगा। हिन्दू होना जरूरी। (ट्रस्ट ने नृपेन्द्र मिश्रा को नियुक्त किया है)

29 से फटाफट क्रिकेट की धूम

रोहित-धोनी की भिड़ंत से होगा सत्र का आगाज

IPL 2020

इंडियन प्रीमियर लीग(आइपीएल) के 13वें सत्र का उद्घाटन मुकाबला 29 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में शनिवार को कोई डल हैडर नहीं होगा।

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने पिछले सत्र में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर चौथी बार खिताब पर अपना कब्जा जमाया था।

लीग चरण का आखिरी मैच बेंगलूरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और मुंबई इंडियंस के बीच 17 मई को खेला जाएगा। शनिवार का डबल हैडर समाप्त किए जाने से इस बार टूर्नामेंट एक सप्ताह बढ़ गया है। पिछली बार लीग चरण 44 दिन तक चला था लेकिन इस बार यह 50 दिनों तक चलेगा। इस सत्र में सिर्फ रविवार के दिन ही दो मैच खेले जाएंगे।

With Best Compliments From

1. **J.R.BHANDARI & CO.**
   (Dealer: Indian Oil Corporation Ltd.)
   Branch: Bhilwara(Raj.) , Dungarpur(Raj.)

2. **J.R.BHANDARI & SONS**
   (Distributor: Esab India Ltd.)

3. **RATTANPUR INDIAN OIL FILLING STATION**
   Dealer: (Petrol Pump)
   Indian Oil Corporation Ltd.)

4. **RISHABDEV FILLING STATION**
   (Dealer (Petrol Pump):
   Bharat Petroleum Corporation Ltd.)

5. **NIMBAHERA FUELS**
   Dealer: (Petrol Pump)
   Indian Oil Corporation Ltd.)

6. **SOLUTION & SERVICES**
   (Cement Plant Maintenance &
   Fabricators)

Registered Office: M/S J.R.BHANDARI & COMAPANY

Out Side Hathipole, UDAIPUR(RAJ.)

सेहत और ज़िंदगी को चुनौती

❊ चीन की सीमा लांघ कर ही फैलते रहे हैं, जानलेवा वायरस

❊ विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) ने घोषित किया वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल, दुनियाभर में दहशत

✍ शिल्पा नागदा

कोरोना वायरस जिसे कोविड–19 नाम दिया गया है, आज भारत समेत दुनियाभर में सेहत और ज़िन्दगी के लिए जबरदस्त चुनौती के रूप में मुखातिब है। पूरी दुनिया में असर दिखने लगा है। चीन की देन है, यह वायरस। चीन ने इस वायरस के प्रसार और उससे चीन में हो रही मौतों को डेढ़–दो माह तक छुपाए रखा। अब भी वह हक़ीकत बयां करने से गुरेज कर रहा है। लेकिन मानवता को शर्मसार करने वाली सच्चाई अन्तत: दुनिया के सामने आ रही है और विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित तमाम देश सतर्क हो गए हैं। यदि उसने इस बारे में शुरुआती दौर में ही विश्व स्वास्थ्य संगठन को बता दिया होता तो हालात बेकाबू न होते, डर का माहौल न पैदा होता और न ही चीन की आधी से अधिक आबादी घरों में ही बंद रहने के लिए मज़बूर होती।

पिछले दो दशकों में सार्स, मैड काऊ, इबोला, जीका, बर्ड फ्लू से लेकर स्वाइन फ्लू तक दर्जनों वायरस–जनित बीमारियां विश्व पटल पर अपना असर दिखा चुकी हैं। ऐसी स्थिति में यही उम्मीद की जाती रही है कि चिकित्सा तंत्र इन संक्रामक रोगों की रोकथाम में इतना समर्थ हो गया होगा कि इनका कोई तात्कालिक उभार किसी शहर या देश में आकस्मिक आपात हालात पैदा नहीं कर सकेगा। लेकिन जिस तरह से कोई नया वायरस या किसी पुराने संक्रमण का नया रूप अचानक नए संकट के रूप में समाने आ खड़ा होता है, वह हमारे खानपान, रहन–सहन, दवाओं और टीकों की उपलब्धता के अलावा किसी साजिश के भी संकेत देता है।

कोरोना वायरस साल 2020 के लिए नई महामारी के रूप में चुनौती जरूर है,

लेकिन यह भी याद रखना होगा कि कुछ साल पहले ही सार्स(सीवियर एक्यूट रेसपेरेटरी सिंड्रोम) बर्ड फ्लू, एच1एन1 जैसे जानलेवा रोगों ने भी चीन की सीमाएं पार कर ही अन्य देशों में पड़ाव किया था। ऐसे में प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्या है, जो जबरदस्त संक्रमण से तबाही फैलानी वाली सारी बीमारियों का उद्‌गम चीन ही रहा है ? साउथ चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों का तो यहां तक कहना है कि हो सकता है कि हुबेई प्रांत में 'वुहान सेंटर फॉर डिसीज़ कंट्रोल' ने रोग फैलाने वाले इस वायरस को जन्म दिया है।

कोरोना अथवा कोविड-19 नामक यह वायरस चीन के वुहान शहर के एक फूड मार्केट से निकला है, जहां सांपों और चमगादड़ों के मांस से तैयार होने वाली डिश ने कुछ लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। खोज से सामने आया कि कोरोना वायरस इबोला की ही तरह चमगादड़ों से ही आया है। चीन के हर शहर में सब्जी और मांस बाजार बड़े पैमाने पर हैं। चीनी लोग समुद्री व जंगली जीवों से बनी डिश बड़े चाव से खाते हैं। वहां के बाजारों में लोमड़ी, मगरमच्छ, भेड़िया, सैलामैंडर, सांप, बिल्ली, चूहे, मोर, साही, ऊंट सहित शताधिक मांस की सूचियां लटकी देखी जा सकती हैं, अथवा उनका ऑन लाइन भी ऑर्डर किया जा सकता है। दुनिया भर में जंगल तो सिमट रहे हैं और जंगली जानवरों व पशु-पक्षियों की फार्मिंग का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। जिससे मांस का व्यापार भी चरम की ओर बढ़ रहा है। दरअसल मांस बाजार में जानवरों के मांस और रक्त का मानव शरीर से सम्पर्क होता रहता है, जो वायरस के प्रसार की सबसे बड़ी वजह है। अनेक शोध और परीक्षणों से भी यही परिणाम निकला है कि कई घातक वायरस जानवरों के मांस से ही मनुष्य के शरीर में प्रविष्ट हुए और फिर इनका संक्रमण तेजी से फैला। हालात यह है कि 30 साल में 30 नई और खतरनाक संक्रामक बीमारियों के बारे में पता चला, जिसमें 75 प्र.श. वायरस जानवरों से इन्सान में आए।

अर्थव्यवस्था प्रभावित

वायरस डर का सीधा असर, दुनियाभर की उन अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है, जो पहले से ही मंदी के संकट से जूझ रही है। अर्थशास्त्री यह अन्दाज लगाने में आज भी व्यस्त हैं कि चीन की अर्थव्यवस्था पर इसका कुल मिलाकर क्या असर होने वाला हैं, भारत पर कितना और विश्व अर्थव्यवस्था पर कितना। इस तरह की बीमारियां आम लोगों को ही नहीं चीन से लौटे भारतीयों में जिनके संक्रमित होने की आशंका थी, उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

इस खतरनाक वायरस को लेकर 30 जनवरी को विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। डब्ल्यूएचओ के बाद इटली समेत कई देशों ने अपने यहां हेल्थ इमरजेन्सी की घोषणा की है। कई देशों ने चीन की उड़ानें रोक दी या निलम्बित कर दी हैं।

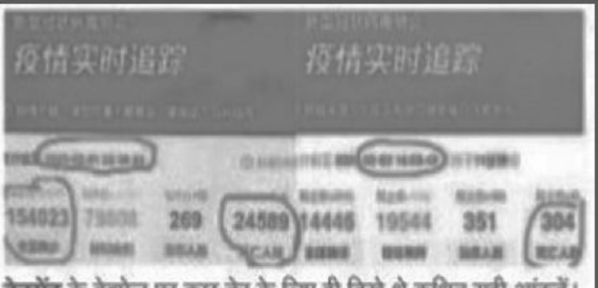

टेनसेंट के वेबपेज पर कुछ देर के लिए ही दिखे थे कथित सही आंकड़ें।

सच छिपा रहा चीन

चीनी बहुराष्ट्रीय समूह की होल्डिंग कम्पनी टेनसेंट के वेबपेज पर 'एपिडेमिक सिचुएशन ट्रैकर(महामारी के हालात का ट्रैकर) ' में कुछ देर के लिए प्रकाशित आंकड़ों मे कोरोना वायरस के चलते एक फरवरी 2020 तक मरने वालों की संख्या 24,589 दिखाई गई, जो 6 फरवरी को बताइ गई 563 से बहुत ज्यादा थी। इन आंकड़ों के अनुसार पीड़ितों की संख्या 1.54 लाख थी। ताइवान न्यूज के अनुसार 'लगता है कि टैनसैंट ने अनजाने में ही संभावित संक्रमण व मौतों की वास्तविक संख्या जारी कर दी, जो आधिकारिक आंकड़ों के मुकाबले बेहद ज्यादा है। टैंनसैंट ने वेबपेज पर संदिग्ध पीड़ितों की संख्या भी 79,808 दिखाई जो आधिकारिक आंकड़ों से 4 गुना ज़्यादा है। वेबवेज पर इलाज से स्वस्थ लोगों की संख्या भी बताई गई जो मात्र 269 है। वेबपेज पर ये आंकड़े थोड़ी देर बाद हटा लिये गये।'

हालात नाजुक

कोरोना वायरस से चीन में 17 फरवरी तक 2 हजार अधिक लोगों के मरने व 75 हजार से अधिक मामलों में इस वायरस संक्रमण की पुष्टि की गई। चीन से बाहर भी वायरस के मामले दर्ज हुए हैं। भारत के कुछ शहरों में भी इस वायरस से कुछ लोगों के संक्रमित होने की खबर है, अस्पतालों में विशेष यूनिटें स्थापित की गई हैं। भारत समेत दुनिया के करीब 29 देशों में इस वायरस की दस्तक से यह माना जा रहा है कि हालात नाजुक हैं। दुनियाभर के हवाई अड्डों पर चीन से आने वाले यात्रियों की जांच, उन पर नज़र रखने का काम काफी मुस्तैदी से चल रहा है, इसके बावजूद इस वायरस का जापान और अमेरिका समेत कई देशों में तेजी से फैलना यह तो स्पष्ट करता ही है कि ये सारे इन्तजाम दुनिया भर में नाकाफी साबित हुए हैं। इसने यह स्पष्ट बता दिया है कि पूरी दुनिया किसी भी नए रोग का इलाज तो दूर, उससे लोगों को बचाने की स्थिति में भी पूर्णतया सक्षम नहीं है। माना कि नए रोगों से निपटना कभी आसान नहीं होता। उसके रेडीमेड इलाज उपलब्ध नहीं होते। चिकित्सा तंत्र उसके लिए ट्रेंड(प्रशिक्षित) नहीं होता। अक्सर वायरस की पहचान संदिग्ध होती है। संक्रमण के मूल कारक और उसे फैलाने वाले कैरियर के बारे में बहुत स्पष्टता नहीं होती। यह सब होते हुए भी हम ऐसे मौकों पर लोगों को बचाने का तंत्र तो विकसित कर ही सकते हैं। इस खतरनाक वायरस के प्रसार ने हमें इस सचाई से रूबरू करवा दिया है। ताजा अनुभवों ने यह भी बताया है कि ऐसे मौकों पर सरकारी तंत्र के चेहरे पर चिंता की लकीरें कम दिखती हैं, डर की ज्यादा।

शोध : पुरुषों में कोरोना से संक्रमण का खतरा ज्यादा

जानलेवा कोरोनावायरस के संक्रमण से चीन समेत दुनियाभर में दहशत है। वहीं, वैज्ञानिक इस वायरस को समझने में लगे हुए हैं। हाल में आए दो शोध यह दावा करते हैं कि यह वायरस महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। वायरस फैलने के केन्द्र वुहान शहर में ये शोध किए गए।

68% पुरुष मरीज वायरस पीड़ित

वुहान विश्वविद्यालय के अस्पताल में कोरोना के मरीजों के अध्ययन में 54 प्र.श. पुरुष पाए गए। वायरस संक्रमण के शुरुआती मामलों के बारे में जब इस अस्पताल का आंकड़ा देखा तो कुल भर्ती मरीजों में पुरुष मरीजों की संख्या 68 प्र.श. थी।

(वुहान में 138 मरीजों पर किए गए अध्ययन के परिणाम)

डायबिटीज के मरीजों को खतरा

46.4%

प्रति. मरीज पहले से डायबिटीज, कैंसर, हृदय रोग से पीड़ित

30% से अधिक ऐसे मरीज पुरुष थे जिन्हें पहले से बीमारियां थीं

10% अधिक खतरा होता है पुरुषों में डायबिटीज जैसी बीमारियों का।

❊ जानलेवा बीमारी से ग्रस्त पुरुषों में महिलाओं से ज्यादा दिखे लक्षण।

महिलाओं में संक्रमण रोधी क्षमता अधिक

महिलाओं में संक्रमण रोधी क्षमता अधिक होने को विशेषज्ञ कोरोना से बचाव का मुख्य कारण मानते हैं। 2003 में फैले सार्क वायरस से 20 से 54 साल तक की महिलाएं ज्यादा प्रभावित हुई थीं। 55 साल तक के पुरुषों में इसके लक्षण ज्यादा पाए गए थे।

उद्यम/उद्यमी

यूसीसीआई का 55वां स्थापना दिवस

उपलब्धियों पर उद्यमियों का सम्मान

उदयपुर। उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री का 55वां स्थापना दिवस समारोह यूसीसीआई भवन में 12 फरवरी को सम्पन्न हुआ। समारोह का मुख्य आकर्षण 'उद्यमी कौशल का निर्माण' विषय पर पैनल डिस्कशन था। उद्यमियों को विशेष उपलब्धियों पर अवार्ड भी प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि सोमानी सेरामिक्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीकांत सोमानी ने कहा कि 'दुनियाभर में प्रौद्योगिकी बहुत तेजी से बदल रही है जिससे उत्पादन पैटर्न में भी तीव्र बदलाव आ रहा है। इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पीटल्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. अजय मुर्डिया विशिष्ट अतिथि थे। वे लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित किए गए। अध्यक्ष रमेश कुमार सिंघवी ने संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए पूर्वाध्यक्ष स्व. के एस मोगरा के योगदान का उल्लेख किया। पेनल डिस्कशन की अध्यक्षता आईआईएम उदयपुर के निर्देशक प्रो. जनत शाह ने की।

सिक्योर मीटर्स के संजय सिंघल ने भी पीपी सिंघल के उदयपुर में प्रथम उद्योग की आधारशिला रखने की संघर्ष यात्रा एवं यूसीसीआई की स्थापना के विषय में जानकारी दी। अवार्ड सब कमेटी की चेयरपर्सन नन्दिता सिंघल ने यूसीसीआई एक्सीलेन्स अवार्ड्स की जानकारी देते हुए बताया कि अवार्ड जूरी पैनल के सदस्य अनिल वैश्य, अखिलेश जोशी, सीए शोभित अग्रवाल, प्रोफेसर जनत शाह और निलिमा खेतान थे।

इन कंपनियों को दिए गए अवार्ड

- **पायरोटेक टेम्पसन्स मैन्यूफैक्चरिंग अवार्ड** : लार्ज एन्टरप्राईज सुदीवा स्पिनर्स प्राइवेट लिमिटेड
- **आर्कगेट मैन्यूफैक्चरिंग अवार्ड** : मीडियम एन्टरप्राईज पायरोटेक वर्कस्पेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
- **सिंघल फाउण्डेशन मैन्यूफैक्चरिंग अवार्ड** : स्मॉल एन्टरप्राईज मैराथन हीटर्स इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड
- **वण्डर सीमेन्ट मैन्यूफैक्चरिंग अवार्ड** : माइक्रो एन्टरप्राईज कासा आर्ट डेकोर प्राइवेट लिमिटेड
- **हारमनी-मेवाड़ सर्विसेज अवार्ड** : लार्ज एन्टरप्राईज ई-कनेक्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
- **जी आर अग्रवाल सर्विसेज अवार्ड** : मीडिया एन्टरप्राईज रिषभ प्राइवेट लिमिटेड
- **डॉ. अजय मुर्डिया इन्दिरा आईवीएफ सर्विसेज अवार्ड** : स्मॉल एन्टरप्राईज सेलस मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड
- **वेदांता हिन्दुस्तान जिंक सी.एस.आर. अवार्ड** : जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
- **पी. पी. सिंघल सोशल एन्टरप्राईज अवार्ड** : उदयपुर ऊर्जा इनिशियेटिव प्रोड्यूसर्स कम्पनी लिमिटेड
- **स्पेशल जूरी अवार्ड** : आईडिया बॉक्स क्रियेशंस

वीरेंद्र कुमार डांगी

रजनी डांगी

डांगी इण्डस्ट्रीज

सोप स्टोन पाउडर

डोलोमाइट

चाइना क्ले

केल्साइट पाउडर के निर्माता एवं माइनिंग

- पर्ल मिनरल्स एंड केमिकल्स
- डांगी माइनिंग प्राईवेट लिमिटेड
- नेनो क्ले एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड
- देवपुष्प माइनिंग इण्डस्ट्रीज, किच्छा (उत्तराखंड)

एफ-39 (ए) आई. टी. पार्क, रोड नं. 12, मादडी इण्डस्ट्रीयल एरिया, उदयपुर 313 003

फोन : 9649203061/9672203061, ईमेल: pearlmin@rediffmail.com, dangiindustries@rediffmail.com

दिल्ली का दंगल

केजरीवाल फिर चैम्पियन

दिल्ली ने तीसरी बार आम आदमी पार्टी को सत्ता की चाबी सौंपी है। भाजपा-कांग्रेस के दावों पर केजरीवाल टीम ने झाड़ू फेर दी। बरसों बाद यह ऐसा चुनाव था, जब कोई मुख्यमंत्री महज अपने काम-काज के बूते जनता के बीच था। उसे मालूम था कि उसकी लड़ाई संसार की सबसे बड़ी पार्टी से है।

✍ नंद किशोर

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी(आप) ने शानदार विजय दर्ज कर जीत की हैट्रिक बना ली है। राजधानी के लोगों ने मुफ्त बिजली-पानी और शिक्षा, चिकित्सा व दिल्ली में विकास के मुद्दों के पक्ष में वोटों की बरसात कर दी। दिल्ली वालों ने जिस प्रकार लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर वोट बरसाए थे, विधानसभा चुनाव में मतों की ठीक वैसी ही बरसात मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर थी। पिछले संसदीय चुनाव में 56 फीसद वोट हासिल कर भाजपा ने सभी 7 सीटें जीत ली थीं, उसी प्रकार विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की अगुवाई में आम आदमी पार्टी ने 53.6 फीसद वोट हासिल कर 62 सीटों पर जीत दर्ज कर 2 तिहाई से भी अधिक का बहुमत हासिल कर लिया। सूबे की 70 विधानसभा सीटों के लिए 8 फरवरी को सम्पन्न चुनाव में 'आप' के 62 उम्मीदवार जीत गए। पिछले चुनाव में उसने 67 सीटों पर जीत दर्ज कर कीर्तिमान कायम किया था। इस बार उसकी 5 सीटें घटी हैं। दूसरी ओर भाजपा ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की। पिछले विधानसभा चुनाव में उसे तीन सीटें मिली थी। कांग्रेस के पास चुनाव में खोने

लायक कुछ था ही नहीं। पिछले चुनाव में शून्य पर थी और इस बार भी वह उसी पर कायम रही। उसके 63 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। भाजपा ने अपने सहयोगी दलों जद(एकी) को 2 और लोकजन शक्ति पार्टी(लोजपा) को 1 सीट दी थी, जबकि कांग्रेस ने 4 सीटें राजद को देकर खुद 66 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन सहयोगी दलों में से कोई नहीं जीत पाया। मुख्यमंत्री केजरीवाल नई दिल्ली से और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र से जीत की हैट्रिक बनाने में कामयाब रहे। 'आप' सरकार के सभी मंत्रियों ने भी अपनी-अपनी सीट पर विजय पताका फहराई।

आप पार्टी के वो उम्मीदवार भी इस बार जीत गए जिन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में पराजय का मुंह देखा था। इनमें राघव चड्ढा, आतिशी और दिलीप पांडे भी शामिल हैं। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे विजेन्द्र गुप्ता रोहिणी विधानसभा क्षेत्र से फिर चुनाव जीत गए, जबकि विधानसभा में उनके साथी रहे जगदीश प्रधान को मुस्तफाबाद से हार झेलनी पड़ी। भाजपा के विधायक ओमप्रकाश शर्मा विश्वासनगर से तो बदरपुर से रामवीर सिंह विधुड़ी ने भी जीत दर्ज की।

यह चुनाव दिल्ली व देश भर में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए), राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के विरोध में जारी प्रदर्शनों के दौरान लड़ा गया। भाजपा के राजनैतिक प्रतिद्वन्द्वियों ने उस पर विभाजनकारी राजनीति करने और राष्ट्रीय राजधानी के शाहीन बाग क्षेत्र में महिलाओं के प्रदर्शन को मुद्दा बनाकर मतदाताओं के ध्रुवीकरण का आरोप लगाया था। हालांकि जिस प्रकार अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में बम्पर मतदान हुआ उसे देखते हुए कहा जा रहा है कि राजधानी में उल्टा ध्रुवीकरण हुआ। दूसरी ओर अन्य विधानसभा क्षेत्रों जिस प्रकार आप के पक्ष में वोट बरसे, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि मतदाताओं का ध्रुवीकरण आम आदमी पार्टी की ओर ही हुआ।

दिल्ली की जनता को इस बात के लिए बधाई मिलनी ही चाहिए कि वह किसी नेता की भावुक अपीलों या बेलगाम बयानों से जरा भी प्रभावित नहीं हुई और उसने पिछले पांच वर्षों में सरकार के कार्यों को लेकर अपने आकंलन को ही वोट में तब्दील किया।

किसको कितने वोट

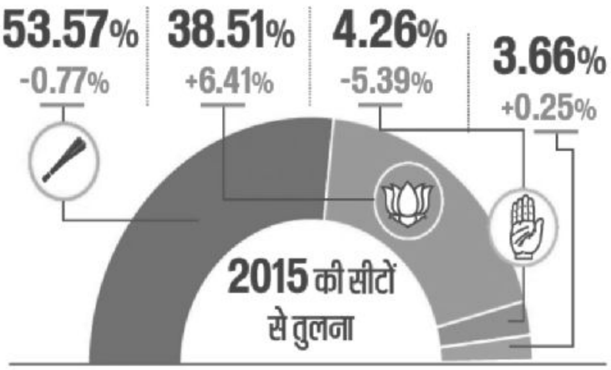

जीत के मायने

दरअसल दिल्ली की लड़ाई शुरू होने से पहले ही उसका परिणाम जगजाहिर था, पर मुख्य विपक्षी दल-भारतीय जनता पार्टी अन्तिम क्षण तक हार मानने को तैयार न थी। असंभव को संभव बनाने की इस विरल जंग में उसके कर्ता-धर्ता तमाम मर्यादाओं को अपने हिसाब से तोड़ते-मरोड़ते चले गए, पर निर्णय वही आया जो पहले से दिल्लीवासियों के दिल में घर किए हुए था। यह एक ऐसा चुनाव था जो शायद बरसों बाद किसी व्यक्ति अथवा पार्टी ने अपने काम के बूते पर लड़ा और जीता हो।

पिछला चुनाव केजरीवाल जहां जवाबी नफरत के सहारे लड़े थे, वहीं इस दफा जनादेश के लिए उन्होंने अपने लिए लक्ष्मण रेखाएं भी खींची। समूचे प्रचार में उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ कहीं भी अमर्यादित शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। इस बार उनकी समूची कोशिश चुनाव को मोदी बनाम केजरीवाल बनने से बचाने की रही। यही वजह है कि नागरिकता संशोधन कानून जैसे गंभीर मुद्दों पर भी उनकी राय नपी-तुली बनी रही। शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी मानते रहे कि आम आदमी पार्टी उनकी हमदर्द है, पर केजरीवाल बीच का रास्ता निकालते हुए आगे बढ़ते रहे।

इस चुनाव में उन्होंने अपनी एक अलग ही सेक्यूलर छवि बनाई। इस चुनाव से पहले शायद उनके अनुयायी भी यह नहीं जानते थे कि वे परम हनुमान भक्त है। उन्होंने हर वर्ग में अपनी जगह बनाई। दिल्ली में उन्होंने जिस तरह से शिक्षा, स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में काम किया उससे उन्होंने दिल्ली वालों का दिल जीत लिया। उनकी अगली तैयारी 2022 में होने वाले नगर निगम चुनावों को लेकर है।

तीसरी बार केजरीवाल

शीला दीक्षित के बाद अरविन्द केजरीवाल ऐसे दूसरे नेता हैं जिन्होंने (16 फरवरी) तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शीला दीक्षित 15 साल तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं उन्हें 2013 में हराकर केजरीवाल ने दिल्ली की सत्ता संभाली थी। केजरीवाल ने अपने पास कोई विभाग न रख सहयोगियों पर भरोसा जताया है।

भाजपा निराश

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी के 48+ दावे की हवा निकल गई। 11 फरवरी को परिणाम आने के साथ ही दिन ढलते-ढलते भाजपा खेमा पूरी तरह निराशा में डूब गया। उसके मात्र 8 उम्मीदवार ही चुनाव जीत पाए। भाजपा को दावे के अनुरूप परिणाम तो नहीं मिले लेकिन इस बार उसका मत प्रतिशत बढ़ गया।

कांग्रेस का सफाया

इस चुनाव में कांग्रेस का पिछली बार की तरह फिर खाता नहीं खुल पाया। बल्कि उसका वोट प्रतिशत और भी नीचे लुढ़क गया। पिछले चुनाव के मुकाबले उसके वोट प्रतिशत में 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। उसका वोट प्रतिशत मात्र 4.26 प्रतिशत रहा। उसके 66 प्रत्याशियों में से सिर्फ 3 ही अपनी जमानत बचा सके।

चेहरा नहीं था

अरविन्द केजरीवाल की साफ-सुथरी छवि के कारण उनके चेहरे पर दिल्ली वालों का भरोसा था वहीं भाजपा और कांग्रेस के पास केजरीवाल के जैसा कोई चेहरा नहीं था। यही वजह थी कि एक रणनीति के तहत आम आदमी पार्टी लगातार भाजपा से उसका मुख्यमंत्री घोषित करने की मांग करती रही जबकि भाजपा किसी का नाम घोषित करने से आखिर तक बचती रही।

ये पांच विवाद छाए रहे

शाहीनबाग

सीएए के विरोध में शाहीनबाग में करीब दो महीने से चल रहा प्रदर्शन भी चुनाव में मुद्दा बना। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक चुनावी सभा में कहा कि जनता इतनी तेज ईवीएम का बटन दबाए कि उसका करंट शाहीनबाग तक जाए।

गोलीमारो

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक सभा में लोगों से विवादित नारे लगवाए। इसके लिए चुनाव आयोग ने उनके खिलाफ कार्रवाई भी की। उन्हें दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की स्टार प्रचारकों की सूची से हटा दिया गया।

आतंकवादी

भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की तुलना आतंकवादी से कर दी। इसे केजरीवाल ने मुद्दा बनाया और जनता से पूछा कि वे दिल्ली के बेटे हैं या आतंकी। प्रवेश वर्मा पर चुनाव आयोग ने भी सख्ती दिखाई।

हनुमान

केजरीवाल ने एक न्यूज चैनल के शो में खुद को राष्ट्रभक्त बताते हुए हनुमान चालीसा पढ़ी। इस पर भाजपा ने तंज किया। बाद में चुनाव से पहले और मतदान के दिन केजरीवाल एक हनुमान मन्दिर भी गए।

पीएफआई

बीच चुनाव ईडी ने खुलासा किया कि शाहीनबाग के प्रदर्शन के पीछे पीएफआई का हाथ है। संजय सिंह पर भी सवाल उठाए। केजरीवाल ने इस पर कहा कि अगर हमारे किसी नेता के खिलाफ सबूते हैं तो गिरफ्तार करके दिखाएं।

सिसोदिया की अटकी सांसें

दिल्ली के दगल को जीतने के लिए कई दिग्गजों का दम फूल गया। सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव पटपड़गंज सीट पर देखने को मिला। यहां पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया दस राउंड तक पीछे रहे। हालांकि,मतगणना खत्म होने पर जीत उन्हीं की हुई।

पहले राउंड में मनीष सिसोदिया ने बढ़त बनाई थी। तीसरे राउंड से भाजपा के रविन्द्र सिंह नेगी ने बढ़त बना ली। मनीष सिसोदिया इसके बाद लगातार पिछड़ते गए। पूरी दिल्ली में आप चुनाव जीत रही थी, पर मनीष सिसोदिया पीछे चल रहे थे।

सिसोदिया 10वें राउंड तक भाजपा उम्मीदवार नेगी से पीछे रहे। उनके चेहरे पर चिंता साफ दिखाई दे रही थी। पार्टी एजेंट भी खामोश थे, लेकिन 11वें राउंड में बढ़त मिलने के बाद उनकी चिंता थोड़ी कम हुई। भाजपा से आगे निकलते ही उनके चेहरे पर मुस्कान आने लगी। कार्यकर्ता और पार्टी एजेंट नारे लगाने लगे। 14वें राउंड तक वह रविन्द्र सिंह से करीब तीन हजार वोट से आगे निकल गए।

आखिरी और 15वें राउंड में वह भाजपा से पीछे रहे, जबकि पोस्टल बैलेट में भी उन्हें भाजपा से कम वोट मिले, लेकिन उनकी जीत पर असर नहीं पड़ा। अंत में वह 3207 वोट से विजयी हुए।

'आप' का गारंटी कार्ड

1. सभी को 200 यूनिट मुफ्त बिजली
2. हर घर को 24 घंटे शुद्ध पीने के पानी की सुविधा
3. हर बच्चे के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था
4. सस्ता सुलभ इलाज
5. 11 हजार से अधिक बसें और 500 किमी से ज्यादा लम्बी मेट्रो लाइनें
6. वायु प्रदूषण के स्तर को कम से कम तीन गुना घटाने का लक्ष्य।
7. दिल्ली को कूड़े और मलबे के ढेरों से मुक्ति दिलाई जाएगी।
8. महिलाओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे
9. स्ट्रीट लाईट और बस मार्शल के साथ-साथ मोहल्ला मार्शल की तैनाती
10. सभी कच्ची कॉलोनियों में होगी सड़क
11. पीने के पानी, सीवर, मोहल्ला क्लीनिक और सीसीटीवी की सुविधा, जहां झुग्गी वहां पक्का मकान बनाना

28 अन्य वादे

आप के वादों के अनुसार, इन वादों को अगले पांच साल में पूरा किया जाएगा। दिल्ली जनलोकपाल बिल पास करवाने के लिए संघर्ष जारी रखा जाएगा क्योंकि इसे आप की सरकार ने 2015 में विधानसभा में पारित किया था जो केन्द्र सरकार के पास लंबित है। केन्द्र सरकार के साथ मिलकर एक मजबूत दिल्ली स्वराज विधेयक लाने का प्रयास किया जाएगा जो मोहल्ला सभाओं की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का औपचारिक रूप देगा और लोगों के हाथों में पर्याप्त बजट और कार्य करने की शक्ति सुनिश्चित करेगा। खाद्य राशन की आपूर्ति में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने और सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राशन की घर-घर डिलीवरी की जाएगी। सरकार अगले पांच साल में दिल्ली के 10 लाख बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा कराएगी। हैप्पीनेस पाठ्यक्रम और एंटरप्रिन्योरशिप पाठ्यक्रम की सफलताओं के बाद उसी तर्ज पर नया देशभक्ति पाठ्यक्रम शुरू होगा। हर बच्चा अपनी मातृभाषा पढ़े लेकिन अंग्रेजी भी सीखे, इसके लिए स्कूल से पास हो चुके(ग्रेजुएट, दूसरे कोर्स वालो को) छात्रों के लिए पर्सनेलिटी डेवलपमेंट और इंग्लिश की कक्षाएं शुरू की जाएगी। दिल्ली के मेट्रो नेटवर्क को 500 किमी बढ़ाया जाएगा। सड़कों को सुंदर, सपाट बनाया जाएगा। अगले साल 40 किमी सड़कें पायलट प्रोजेक्ट में बनाई जाएगी।

बड़ी अनूठी श्रीजी प्रभु की होली

✍ नवीन सनाढ्य

होली मगरा पर 8 फरवरी, 2020 को परम्परागत ढंग से रोपित होली का दण्ड।

मेवाड़ की मथुरा श्रीनाथद्वारा नगरी व श्रीजी प्रभु की हवेली में प्रतिवर्ष होने वाले उत्सव व मनोरथ के साथ तीज-त्योहार अनूठी परम्परा के प्रतीक रहे हैं। यहां मनाए जाने वाले हर त्योहार का अपना अलग ही महत्व है। श्रीजी प्रभु की हवेली से जुड़े मनोरथ हो या उत्सव उनकी तो बात ही कुछ और होती है। होली पर्व रंगों का प्रतीक माना जाता है तथा सभी जगह होली दहन की परम्परा का निर्वहन किया जाता है। मगर मेवाड़ की मथुरा श्रीनाथद्वारा में कुछ अनूठी परम्पराएं ऐसी भी जिसे संभवतः बहुत ही कम लोग जानते होंगे। इस धर्म नगरी में होली के दण्ड रोपण होने से लेकर होलिका दहन तक कई अनूठी परम्पराएं हैं, जिनको पिछले 347 सालों से आज तक अनवरत निभाया जा रहा है।

अशोक वृक्ष का होली का दण्ड

श्रीजी प्रभु के मंदिर की ओर से होली मगरा नामक स्थल पर विशाल होली रोपी जाती है। होली के बीच में खड़े किए जाने वाले दण्ड (प्रहलाद) को हर वर्ष अशोक वृक्ष के तने से बनाया जाता है। जो करीब 30 फीट लम्बा होता है। होली दण्ड को प्रभुश्रीनाथजी के बागों से ही लाकर तैयार किया जाता है। कारीगर को मंदिर की ओर से (पारिश्रमिक) नेग के रूप में प्रसाद दिया जाता है। दण्डारोपण के दिन इस होली दण्ड को श्रमिक होली मंगरा ले जाते हैं। इसके बाद मंदिर के राजपुरोहित, खर्च भण्डारी, परछना विभाग के मुखिया की मौजूदगी में विधि-विधान से पूजा कर दण्ड को रोपते हैं। होली दहन के दिन जब होली आधी से ऊपर जल जाती है तब दण्ड को बाहर निकाला जाता है। बाहर निकालने के बाद श्रमिक इसे कुण्ड में ले जाकर ठण्डा करने की परम्परा का निर्वाह करते हैं। इसकी एवज में भी श्रमिकों को मंदिर की ओर से नेग मिलता है।

दिन-रात रखवाली

जिस दिन से होली मंगरा पर श्रीजी प्रभु की होली रोपने की सेवा प्रारंभ होती है उसी दिन से इसकी रखवाली भी शुरू हो जाती है। सुबह करीब 9 से लेकर शाम 5 बजे तक मंदिर मंडल निर्माण विभाग के श्रमिक होली छापने की वहां सेवा करते हैं तो रखवाली भी स्वत: हो जाती है। शाम को 5 बजे जब यह श्रमिक चले जाते हैं तब मंदिर के बीड़वान व उसका दल ठाकुरजी की होली की रखवाली करने आ जाते हैं। जो दूसरे दिन सुबह 9 बजे तक होली की रखवाली करते हैं।

खर्च भण्डार से बच्चों को मिलती है ध्वजा और दण्ड

इनके अलावा एक और अनूठी परम्परा है श्रीजी प्रभु की नगरी में। श्रीजी प्यारे की नगरी में मंदिर की होली के अलावा हर गली व मौहल्ले में सैकड़ों होली रोपित होती है। हर जगह बच्चे होली रोपते हैं। बच्चों की होली के लिए मंदिर के खर्च भण्डार से होली का दण्ड व दण्ड पर फहराने के लिए ध्वजा देने की परम्परा भी पिछले 347 सालों से चली आ रही है।

कांटे कांटने वालों को मिलती है घूघरी

होली दण्ड रोपित होने के कुछ दिनों बाद श्रीजी प्रभु के बीड़ों से कांटे वाली झाड़ियां कांटने की सेवा प्रारंभ हो जाती है। कांटों से मथारी बनाते हैं। इन मथारियों को होली मंगरा पहुंचाया जाता है। श्रीजी प्रभु की विशाल होली को करीब 1200 कांटों की मथारियों से तैयार किया जाता है। होली को छापने की सेवा मंदिर मंडल के श्रमिकों द्वारा की जाती है। होली छापने की सेवा करने वालों को मंदिर की ओर से गुड़ जबकि मथारी पहुंचाने वाली महिला श्रमिकों को घूघरी दी जाती है।

उदयपुर में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम

आरसीए ने लगाई पाराखेत की भूमि पर मोहर

झीलों की नगरी में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का सपना अब जल्दी ही पूरा होगा। शहर से 8 किमी दूर कलड़वास पंचायत के पाराखेत क्षेत्र में इसके लिए नगर विकास प्रन्यास ने करीब 40 बीघा भूमि आवंटित कर दी है। जिसका पिछले दिनों आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने मुआयना किया और सहमति भी दी। उनके साथ आरसीए सचिव महेन्द्र शर्मा, एडवाइज़र जीएस संधू, क्रिकेट कोच मनोज चौधरी व अन्य अधिकारी थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व में स्टेडियम के लिए चित्रकूट नगर स्थित खेलगांव में आरसीए को 9.37 बीघा जमीन आवंटित की गई थी। जिस पर निर्माण भी शुरू कर दिया गया था। इसके बाद तत्कालीन आरसीए व बीसीसीआई के बीच तालमेल गड़बड़ाने से निर्माण कार्य खटाई में पड़ गया और खेलगांव ने जमीन को पुन: अपने स्वामित्व में ले लिया। आरसीए के चुनावों के बाद स्टेडियम निर्माण की संभावनाओं को फिर से तलाशा जाने लगा। खेलगांव की जमीन को स्टेडियम के अनुकूल नहीं पाया गया। क्षेत्रफल और पेयजल उपलब्धि के लिहाज से

भी यह जमीन अधिक उपयुक्त है। आरसीए के मुख्य संरक्षक एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी भी चाहते हैं कि जोधपुर व उदयपुर में इन्टरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का वादा जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए।

संकट में जंगल का राजा

एशिया के बाज़ारों में बिक रहे अफ्रीकी शेरों के अंग

मनीष उपाध्याय

एशिया महाद्वीप में अफ्रीकी शेरों के अंगों की तस्करी का बाज़ार चरम पर है। यहां अफ्रीकी शेरों की हड्डियां, दांत और पंजों की तिजारत ज़ोरों पर है। जिसकी वजह से इस प्रजाति पर उसके विलुप्त होने का खतरा मंडराने लगा है।

एक समय था, जब बिल्ली प्रजाति के सबसे बड़े जानवरों में शुमार शेर जिसे 'जंगल का राजा' भी कहा गया है, पूरे अफ्रीका, एशिया और यूरोप में पाया जाता था, लेकिन अब ये केवल एशिया और अफ्रीका तक ही सीमित रह गया है। एशियाई और अफ्रीकी शेरों की प्रजातियां लगभग समान दिखाई देती हैं, किन्तु इनके डीलडौल और रहन-सहन में कुछ मामूली विविधताएं भी हैं। अफ्रीकी शेर सिर से लेकर पूंछ तक साढ़े चार से साढ़े छह फुट तक लम्बे होते हैं। इनकी पूंछ की लम्बाई 67 से 100 सेमी तक और वजन 120 से 200 किलोग्राम तक होता है जबकि एशियाई (भारतीय) शेरों का अफ्रीकी शेरों के मुकाबले वजन 120 से 225 किलोग्राम तक होता है लेकिन पूंछ की लम्बाई 60 से 90 सेंमीमीटर तक ही होती है। अफ्रीकी शेर अंगोला, बोत्सवाना, तंजानिया, मोजाम्बिक, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, द. सूडान और उप सहारा के घने जंगलों और घास के खुले मैदानों में रहते हैं, जबकि एशियाई शेर केवल भारत के गुजरात राज्य स्थित गिर के जंगल में निवास करते हैं, जो 22,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। शेरों के इस अभयारण्य में पिछले पांच वर्षों में इनकी संतति में इज़ाफा हुआ है, परन्तु अफ्रीकी शेरों की जान खतरे में पड़ गई है। ताज्जुब तो यह है कि एशिया महाद्वीप ही अफ्रीकी शेरों के अंगों की तिजारत का बाज़ार बनता जा रहा है। यहां अफ्रीकी शेरों की हड्डी, दांत, पंजे आदि बड़ी मात्रा में लाकर बेचे जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में पिछले महिनों एक दैनिक समाचार पत्र में छपी रपट भी चौंका देने वाली थी। शेर के अंगों से शराब व अन्य विलासिता की सामग्री तैयार की जाती है, इनकी हड्डियों से आभूषण भी बनते हैं, जो अन्तरराष्ट्रीय बाज़ारों में मोटी कीमत पर बेचे जाते हैं।

बेचे जा रहे अंग

एशिया में अफ्रीकी शेर के अंगों को बाघ के अंग बताकर बेचा जा रहा है। असल में चीन व अन्य एशियाई देशों में बाघ के अंगों की खरीद प्रतिबंधित है लेकिन वहां बाघ के अंगों की मांग बहुत अधिक होने से तस्कर अफ्रीकी शेरों के अंगों को बाघ के अंग बताकर बेच रहे हैं।

अमेरिकी प्रतिबंध से बढ़ा एशियाई व्यापार

2016 में अमेरिका ने शिकार किए हुए बंदी-नस्ल के शेरों के आयात को प्रतिबंधित कर दिया था। इस घाटे से निपटने के लिए तस्करों ने कैद में पाले जाने वाले शेरों के कंकाल और दांत एशिया में निर्यात करने शुरू कर दिए।

द. अफ्रीका से एशिया लाए जा रहे शेर

ब्रिटेन की पर्यावरण जांच एजेन्सी के अनुसार दक्षिणी अफ्रीकी देश नामीबिया और उत्तरी मोजाम्बिक समेत 20 से अधिक अफीकी देशों में शेर के शिकार की घटनाओं में वृद्धि हुई है। यह महाद्वीप दुनिया में शेर के कंकाल का सबसे बड़ा निर्यातक है। वर्ष 2005 से 15 के बीच यहां से एशियाई देशों को 755 मृत शरीर, 587.5 किलो हड्डी और 3125 कंकाल बेचे गए। शेर के शरीर में 250 से 260 तक हड्डियां होती हैं। जो 140 से 360 डॉलर प्रति किलो तक बिकती हैं। इस मामले में न केवल अफ्रीकी देशों की सरकारों बल्कि संयुक्त राष्ट्र को भी फौरन नोटिस लेना चाहिए।

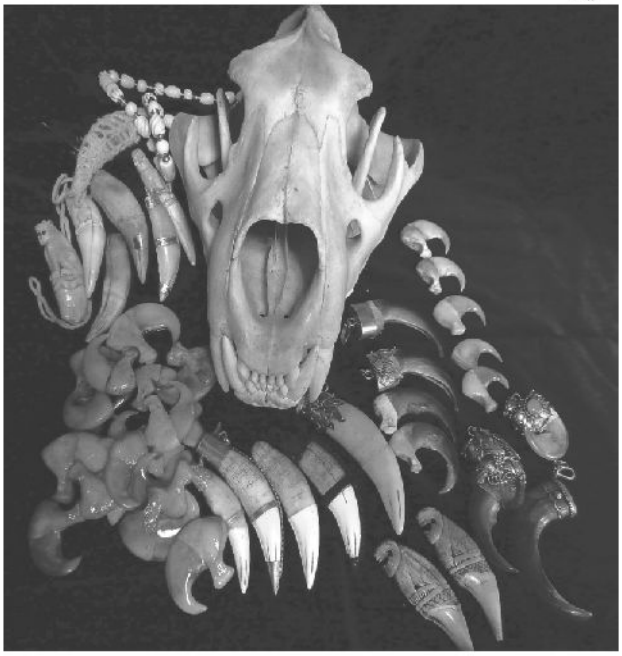

शेरों की घटती आबादी

दुनिया में मात्र 6 देश ऐसे हैं, जहां एक हजार से अधिक शेर रहते हैं। ये सभी अफ्रीकी देश है। सन् 1993 से से 2014 के बीच 43 प्रतिशत शेरों की आबादी घट गई है। कुल मिलाकर अफ्रीका में इनकी आबादी अनुमानतः 20 हजार है। जबकि एक शताब्दी पूर्व वहां शेरों की गणना 2 लाख तक भी हुई थी। अफ्रीकी शेरों की घटती जनसंख्या के कारण इन्हें लाल सूची (रेड लिस्ट) में शामिल किया गया है। जहां तक भारत का प्रश्न है, गिर के जंगल में इनके संरक्षण पर पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। वर्ष 2010 में यहां गणना के दौरान इनकी संख्या 411 थी जो अब करीब 525 है।

अब न्याय हमारा नारा है

✍ ममता कालिया

एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) आ गया है। इसका यह अर्थ भी नहीं है कि शेष 364 दिन पुरुष-दिवस है। यह तो हम स्त्रियों के अनथक संघर्ष और अविराम आन्दोलन की याद दिलाने वाला प्रतीक-दिवस है।

अमेरिका में 28 फरवरी, सन् 1909 में ही पहला राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जब कपड़ा बनाने वाली बुनकर स्त्रियों ने अपनी मजदूरी और मजबूरी के विरुद्ध हड़ताल की। उनके कार्यस्थल की बदतर परिस्थितियां अमानुषिक थीं। तब से अब तक स्त्रियों में बहुत जागरुकता विकसित हुई। जाति, धर्म, देश, वर्ग, भाषा, लिपि और संस्कृति के परे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एकता का संदेश देने वाला सबसे विशाल मंच है।

कौन नहीं जानता कि जब-जब कहीं भी युद्ध हुआ, उसमें स्त्री और बच्चों पर सबसे अधिक जुल्म ढहाए गए। शरीर पर पड़ी चोटें वक्त के साथ ठीक हुईं, पर उनकी भयावह स्मृति घाव के निशान की तरह बनी रही। इन युद्धों के जो मनोवैज्ञानिक आघात पड़े, उन्होंने मर्माहत महिलाओं की संख्या में अपार वृद्धि कर दी। दो महायुद्ध और अनेक छोटे-बड़े विभाजक युद्ध औरतों और बच्चों की बलि लेते रहे।

संयुक्त राष्ट्र ने अंतत: 8 मार्च, सन 1975 में यह निर्णय लिया कि अब से यह तारीख पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाई जाएगी। 1975 अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष भी घोषित हुआ। सन 1995 में बीजिंग घोषणा-पत्र के अनुसार, स्त्री को शिक्षा और रोजगार चुनने का अधिकार सौंपा गया। स्त्री-पुरुष के बीच कोई भेदभाव लैंगिक आधार पर न हो, यह संयुक्त राष्ट्र ने बहुत पहले, सन 1945 में ही, लिखित घोषणा-पत्र में कहा था, किन्तु वस्तुस्थिति आज भी विकट और विकराल है। समूचे संसार में स्त्री-समाज तरह-तरह के संक्रमण से गुजर रहा है। स्त्री को समाज की एक सार्थक, समान, स्वतंत्र इकाई समझने में सभी देशों को दिक्कत है।

सवाल का रुख भारतीय समाज की तरफ मोड़ें, तो हम पाएंगे कि हमारे हिस्से तरक्की का कर्मकांड और विकास का अंतर-विरोध आया है। किसी एक दिन का अखबार उठाकर देखने की जरूरत है, इस कदर घरेलू हिंसा, हत्या और स्त्री के विरुद्ध शारीरिक प्रताड़ना से भरी खबरें पढ़ने को मिलती हैं कि अच्छा-भला नागरिक अवसाद या उन्माद का रोगी हो जाए। कहीं बर्बर तरीके से स्त्री का सफाया, तो कहीं मनोवैज्ञानिक पद्धति से यातना। महिला अगर नौकरी में है, तो वहां उसके सम्मान पर संकट, और अगर घर में है, तो घरेलू हिंसा मानो उसका प्रतिदिन का रूटीन है। यहां पर याद आती

हैं महादेवी वर्मा, जिन्होंने सन 1931 में अपने एक आलेख में लिखा था, 'हमें न किसी पर जय चाहिए, न किसी से पराजय, न किसी पर प्रभुता चाहिए, वह स्वत्व चाहिए, जिसका पुरुषों के निकट कोई उपयोग नहीं, परंतु जिसके बिना हम समाज का उपयोगी अंग नहीं बन सकेंगी।'

महादेवी वर्मा के इसी भाव को कृष्णा सोबती ने अपनी कहानी 'ऐ लड़की' में इन शब्दों में दिया है, 'दुख और अरमान को परे रखना। मैं निश्चिंत हूं तुम्हारे लिए क्योंकि न तुम सताई जा सकती हो और न तुम किसी को सताती हो।'

पाश्चात्य आंदोलनकारियों की अपेक्षा भारतीय चिंतकों और समाज-सुधारकों ने स्त्री की स्थिति और उपस्थिति पर गंभीर विचार-विमर्श किया। कुछ जड़तावादियों ने धर्म की अग्निशलाका से स्त्री का प्रारब्ध लिखने की चतुराई दिखाई, किन्तु ईश्वरचंद्र विद्यासागर, महादेव गोविन्द रानाडे, महर्षि कर्वे, सावित्री बाई फुले, पंडिता रमाबाई और महात्मा गांधी ने स्त्री की शिक्षा और स्वावलम्बन पर जोर देकर समाज में संतुलन बनाने का पुरजोर समर्थन किया।

आज स्त्री-लेखन में जो तेजी, त्वरा और तेवर दिखाई देता है, वह इसी चेतना का मुखर रूप है। स्त्री विमर्श का जन्म इसी तेवर के तहत हुआ है और स्त्री आज अपने अस्तित्व, अस्मिता और व्यक्तित्व के प्रति पूरी तरह जागरूक है। बीसवीं सदी से लगाकर आज तक स्त्री-लेखन स्वाधीनता और समानता का घोषणा-पत्र रहा है। दूसरे शब्दों में, स्त्री-लेखन के साथ ही स्त्री विमर्श का समय आरंभ होता है। इस लंबे सफर में स्त्री विमर्श पर कई रंग चढ़े और उतरे। कभी लगा, पश्चिम की नकल में स्त्री विमर्श स्वच्छंतावाद की तरफ जा रहा है, तो कभी लगा, यह आनंद के मार्ग पर जा रहा है। कभी ऐसा भी प्रतीत हुआ कि स्त्री विमर्श प्रतिघाती जत्थे की तरह पुरुष-विरोधी हो उठा है। इन संक्षिप्त अंतरालों का प्रयोजन केवल उत्तेजना पैदा करना रहा होगा, क्योंकि वे शीघ्र विलुप्त हो गए। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्त्री विमर्श में नई प्राण-वायु फूंकने की आवश्यकता है। यह भी रेखांकित करना जरूरी है कि स्त्री विमर्श पुरुषों के प्रतिपक्ष में खड़ा आन्दोलन नहीं है, वरन पुरुष-मानसिकता में सुधार की मांग करने वाला विमर्श है। यहां प्रतिघात नहीं, प्रतिरोध है। दुस्साहस नहीं, साहस है। और चिंता नहीं, चेतना है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आते रहेंगे। हमें और आपको जगाते रहेंगे। अंततः हम अपने बारे में इतना परिवर्तन कर देंगे - 'हर जोर-जुल्म की टक्कर में, न्याय हमारा नारा है।'

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

पाठक-पीठ

'थमी मेहमान परिन्दों की परवाज' आलेख फरवरी अंक की एक उपलब्धि थी। जिसने प्रदूषण के खतरों पर गंभीर संकेत नहीं किए बल्कि पशु-पक्षियों पर इसके प्रभावों को बताया। जलवायु में जिस तरह का परिवर्तन हो रहा है, उससे हमें सचेत हो जाना चाहिए और प्रदूषण के खात्मे और पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। अन्यथा इसके जो दूरगामी परिणाम होने वाले हैं, वे सम्पूर्ण जीव-जगत को ही खतरे में डाल देंगे।

- एल. एस. शेखावत, डायरेक्टर, हिजिलि

राजस्थान के कोटा शहर के एक अस्पताल सहित देश के अन्य बड़े नगरों के अस्पतालों में बच्चों की मौत के सिलसिले ने दिल को हिला दिया। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा को लेकर बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी की जा रही हैं, लेकिन नवजात बच्चों के नई दुनियां में आंखें खोलने से पूर्व ही सांसे थम जाना, सरकारी और गैर सरकारी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं पर बड़ा प्रश्न चिन्ह है। इस सम्बन्ध में 'प्रत्यूष' के फरवरी अंक में छपा आलेख इस क्षेत्र में काम करने वालों को सबक देने वाला है।

- हीरालाल जैन, उद्योगपति

'रूमा को मिला मनचाहा आसमां' 'प्रत्यूष' के फरवरी अंक में जब मैं पढ़ रहा था, उसी दिन प्रदेश के एक दैनिक में यह भी छपा था कि रूमा ने अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को अपने हुनर से रूबरू करवाया। एक सामान्य परिवार की ढाणी में रहने वाली महिला के संघर्ष और सफलता को सलाम।

- मनोज बिसारती, शिक्षाविद्

'प्रत्यूष' का फरवरी अंक सम-सामयिक आलेखों को लेकर प्रशंसनीय था। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में छात्र-छात्राओं पर हुए हमले और पुलिस के मूकदर्शक बने रहने को लेकर चली सम्पादक की धारदार लेखनी को प्रणाम। शिक्षा के मंदिरों में बाहरी तत्वों का यूं घुस जाना हैरान करने वाला है। सरकार को शिक्षा संस्थाओं और केन्द्रों की सुरक्षा करनी चाहिए।

- ग्लोरी फिलिप,
प्रिंसिपल, सेन्ट मैथ्यूज स्कूल

CA और CS में सफलता के लिए श्रेष्ठ मार्गदर्शन

बड़ाला क्लासेज ने रचा इतिहास

झीलों की नगरी उदयपुर में स्थित बड़ाला क्लासेज नंबर वन कॉमर्स हब है, जो हर साल सीए व सीएस में नए रिकॉर्ड ही स्थापित नहीं कर रहा, शहर को ऑल इंडिया टॉपर्स भी दे रहा है। पिछले डेढ़ वर्ष में 42 ऑल इण्डिया रैंक देकर इतिहास रचा इसमें छात्रों का अपार विश्वास है क्योंकि यहाँ की फैकल्टी 20 से अधिक सालों के अपने विषय के अनुभव के साथ सीए, सीएस, सीएमए, 11वीं, 12वीं, बीकॉम और बीबीए के शिक्षण में समर्पित है। शानदार अतीत के साथ बड़ाला क्लासेज ने हजारों प्रोफेशनल्स तैयार किये हैं जो सर्वोत्तम संभव तरीकों से देश की सेवा कर रहे हैं। बड़ाला फेकल्टी टीम में सीए, सीएस, सीएमए, पी.एच.डी. होल्डर्स शामिल हैं जिन्होंने अब तक 190 से भी अधिक ऑल इंडिया रैंक्स दी है।

बड़ाला क्लासेज के संस्थापक हिम्मत बड़ाला व चतर बड़ाला के अनुसार पिछले कुछ समय से देश में कॉरपोरेट सेक्टर का तेजी से विकास हो रहा है। छोटे शहरों में भी व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के परिवर्तन का समय है। सरकार द्वारा कुछ न कुछ महत्त्वपूर्ण परिवर्तन किये जा रहे हैं, नोटबन्दी एवं वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) इसके उदाहरण हैं। आर्थिक गतिविधियों के विकास से देश मे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट प्रोफेशनल्स की मांग में दिन प्रतिदिन वृद्धि हो रही है।

ये है हमारा मिशन

संस्थान के निदेशक राहुल बड़ाला का कहना है कि एक छोटे से पौधे के रूप में प्रारम्भ बड़ाला क्लासेज आज वटवृक्ष बन चुकी हैं। वर्ष 2019 में सीए एवं सीएस में अखिल भारतीय स्तर पर एक ही महीने में 17 ऑल इंडिया रैंक प्रदान की। अपने विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने एवं श्रेष्ठ परिणाम हासिल कराने के लिए फेकल्टी मैम्बर्स कटिबद्ध हैं। निरन्तर श्रेष्ठ परिणाम देकर बड़ाला क्लासेज उदयपुर को एक कॉमर्स हब के रूप में विकसित करने में अपना योगदान दे रहा है।

जीएसटी के बाद बढ़ा प्लेसमेंट

निदेशक सौरभ बड़ाला के अनुसार द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया (ICAI) के मुताबिक देशभर में आज करीब 3 लाख चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स हैं, जबकि चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की मांग अपने पूर्ण जोर पर है। 2020 के अन्त तक देश में 10 लाख चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष करीब 7 हजार छात्र यह कोर्स पूरा करते हैं जो मांग को देखते हुए काफी कम है।

पैकेज में भी सी. ए. सर्वोत्तम

निदेशक निशांत बड़ाला के अनुसार कुछ समय पूर्व ही द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया द्वारा उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के लिए कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। इस काउंसलिंग में दो खास बातें निकलकर सामने आई। पहली तो यह कि जी. एस. टी. के आने से बाजार में अचानक चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट की मांग बढ़ गई है। जबकि मौजूदा समय में 3 लाख चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट ही उपलब्ध है। दूसरा इस बढ़ती मांग के चलते कम्पनियाँ औसत 10 लाख तक का पैकेज ऑफर कर रही हैं। इंस्टीट्यूट अपने छात्रों के भविष्य के प्रति पूर्ण सजग रहता है, इंस्टीट्यूट के कैम्पस प्लेसमेंट में न्यूनतम पैकेज 6 लाख रूपये है। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया सदैव बाजार प्रतिस्पर्धा के अनरूप सीए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है व उन्हें उच्च कोटि के वेतन की गारन्टी भी देता है। पिछले कैम्पस प्लेसमेंट में सीए का सर्वाधिक पैकेज 76 लाख था। अर्थात् सीए प्रोफेशन के औसत पैकेज के साथ ही सर्वाधिक पैकेज भी बहुत श्रेष्ठ होते हैं।

प्रस्तुति : मदन पटेल

www.medicentre.co.in
मेडिसेन्टर
सोनोग्राफी एण्ड क्लिनिकल लेब
12 वर्षों से आपकी सेवा में
सही जाँच
सटीक ईलाज
NABL*
श्रेष्ठ गुणवत्ता का
सर्वोच्च मापदंड
लगातार चौथे वर्ष
हमारी गुणवत्ता को
NABL* से
फिर मिली मान्यता
12 वर्षों से विश्वसनीय, NABL*प्रमाणित,
पूर्णतया ऑटोमेटेड, जाँच सेवाऐं हमारे **
अनुभवी डॉक्टर्स द्वारा
पैथोलोजी
एम.आर.आई.
16 Slice
सी.टी. स्केन
3D/4D
सोनोग्राफी
एक्स रे
मैमोग्राफि
ई.सी.जी.
*Clinical Biochemistry
गोकुल-1, अलंकार ज्वैलर्स के पास, हॉस्पिटल रोड, कोर्ट चौराहा, उदयपुर
श्रीनाथ प्लाजा, M.B. हॉस्पिटल के सामने, उदयपुर
+91-76650-00234
Follow Us on

With Best Compliments from
NAHAR
COLOURS & COATING LTD.
Certified ISO 9001 by
BVQi
UKAS
QUALITY MANAGEMENT
008
NCCL, House, G-1, 90-93, Sukher Industrial Park
Udaipur-313004 INDIA
Tel. : +91-294-2440307-309 | Fax : +91-294-2440310
E-mail : ramesh@naharcolours.net

रंगों का त्योहार, गीतों का मेला

होली उमंग, उल्लास और प्रेम की प्रतीक है

मंजू लोढ़ा

होली रंगों का त्योहार, उमंग और प्रेम का संगम तथा गीतों का मेला है। वास्तव में होली हमारे जीवन के उल्लास का अनुष्ठान है। यह एकमात्र पर्व है, जब लोग अपने जीवन की सारी खुशियों को खुलकर प्रकट करते हैं। कोई रंग बिखेरकर खुश होता है, तो कोई गीत गाकर खुशी प्रकट करता है। खेतों, खलिहानों, चौपालों पर चंग बजाते लोग होली के विभिन्न गीतों की लय, ताल पर नाचते हैं, 'लूर' और 'घूमर' के साथ महिलाएं फाग गा-गाकर आनंद में डूब जाती हैं। ढोल-मंजीरों की ध्वनि पर पुरुष डांडिया रास की तरह 'गेर' नाचते हैं।

पुराण के अनुसार महर्षि नारद ने धर्मराज युधिष्ठिर को जो कथा सुनाई थी, वह इस तरह थी कि फाल्गुन मास की पूर्णिमा को सब मानवों के लिए अभयदान होना चाहिए, जिससे सारी प्रजा निडर होकर हंसे और खेले-कूदे। डंडे और लाठियां लेकर बालक शूरों के समान गांव के बाहर जाकर होलिका के लिए लकड़ियों और कंडों का संचयन करें। अट्टाहास, खिलखिलाहट और मंत्रोच्चारण से पापात्मा रूपी राक्षसी नष्ट हो जाती है। दैत्यराज हिरण्यकश्यप की आज्ञानुसार उसकी अनुजा होलिका, जिसे अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था, धर्मनिष्ठ भतीजे प्रहलाद को लेकर अग्नि में बैठ गई थी। अग्नि ने बालक की तो रक्षा की किन्तु राक्षसी को भस्म कर दिया। तब से हर वर्ष होलिका जलाई जाती है।

होलिकोत्सव पर होलिका दहन के दौरान उसकी तीन परिक्रमा करें फिर हास-परिहास करना चाहिए। माना जाता है कि प्रहलाद आनंद का प्रतीक है। ईर्ष्या, उत्पीड़न, जलन की प्रतीक है होलिका जो जलती है और प्रेम, आनंद, उमंग, उल्लास का प्रतीक प्रहलाद अमिट रहता है। अगले दिन भगवान विष्णु ने नृसिंह का रूप धारण कर दानव राजा का वध किया और पृथ्वी को उसके अत्याचारों से मुक्ति प्रदान की। इस खुशी में होली का त्योहार मनाया जाने लगा। प्रहलाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राधा-कृष्ण के रास यानी ब्रज की होली और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा है। ऐसा भी मानना है कि श्रीकृष्ण ने इसी दिन पूतना राक्षसी का वध किया था। इसी खुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला के साथ रंग खेला था। कई जगह होली पर्व पर परस्पर रंग लगाकर नाच-गाकर और शिव के गणों का

वेश धारण कर शिव की बारात निकाली जाती है।

हमारी सांस्कृतिक परम्पराओं में बहुप्रचलित इन कथाओं के पीछे अन्याय, दुराचार को समाप्त करने का संकेत दिया गया है। इस भावना से फाल्गुन मास की पूर्णिमा को यह पर्व मनाया जाता है। उस दिन होलिका दहन होता है जिसमें नवजात शिशु को गोद में लेकर होलिका की परिक्रमा कराते हैं, ताकि उस पर बुराइयों का साया तक न पड़े। दूसरे दिन फाग खेला जाता है। फाग को धूलंडी, धूलिवंदन भी कहा जाता है। लोग एक दूसरे को रंग, अबीर, गुलाल लगाते हैं, ढोल बजाकर गीत गाए जाते हैं। पुरानी सारी कटुता, अमीर-गरीब का भान भुलाकर सब होली के रंग में सराबोर हो उठते हैं। शाम को स्नान आदि से निवृत्त होकर एक-दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं, मिठाई खाते-खिलाते हैं। कुछ लोग इस अवसर पर भांग या उससे बनी ठंडाई भी पीते हैं। घरों में खीर, पूरी, पुड़े, करबा(दही के संग चावल डालकर बनाया जाता है) गुझियां आदि व्यंजन बनाये जाते हैं।

यह त्यौहार पूरे देश में मनाया जाता है। प्राचीन ग्रंथों, शिलालेखों, भित्ति चित्रों में भी होली की विस्तृत व्याख्या मिलती है। वेदों, पुराणों, नारद पुराण, भविष्य पुराण, जैमिनी मीमांसा में भी इस त्यौहार का वर्णन उपलब्ध है। कवि कालिदास रचित 'कुमार सम्भव' में वसंत ऋतु एवं भोलेनाथ शिवजी की कामविजय का वर्णन बहुत ही सुंदर शब्दों में किया गया है। 'रत्नावली' में भी होली का वर्णन मिलता है। कुछ लोग इसे अग्निदेव का पूजन तो कुछ नए संवत का आरंभ तथा बसंतागमन का प्रतीक मानते हैं। इस पर्व को मनाने के कई उद्देश्य हैं, लेकिन सही और सच्चा उद्देश्य यही है, जो हमारे वर्तमान को सुधारे तथा जीवन को आनंद दे। इसीलिए हम प्रण करें कि होलिका दहन के लिए गीले और नष्ट होती सेमल प्रजाति के वृक्षों को नहीं काटेंगे, कीमती लकड़ियों को नहीं जलाएंगे। पर्यावरण की रक्षा करेंगे। होली के बिगड़ते स्वरूप को संवारकर अपनी संस्कृति व परम्परा को जीवित रखेंगे।

होलिका दहन मुहूर्त एवं विशेष योग

इस बार होलिका दहन अच्छे योग में होने जा रही है। अक्सर होलिका दहन के दौरान भद्रा होने से मुहूर्त में परेशानी रहती थी परन्तु इस बार ऐसा नहीं हो रहा बल्कि इस बार भद्रा रहित, ध्वज एवं गज केसरी योग रहेगा। भद्रा दिन के 01:12 बजे समाप्त हो जाएगी। होलिका दहन का गोधूलि वेला में शाम 06.22 से 08.49 बजे तक श्रेष्ठ मुहूर्त है। इसी समय चर का चौघड़िया रहेगा जो अति उत्तम है। दो मार्च दोपहर 12:52 बजे से होलाष्टक प्रारंभ हो जाएंगे जो होलिका दहन के बाद समाप्त होंगे। होलाष्टक के दौरान गृह प्रवेश, विवाह, सगाई आदि शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं।

ऐसे करें पूजन

होलिका के दहन स्थल को जल से शुद्ध करने, उसमें सूखे उपले, सूखा काष्ठ, सूखी घास, कांटे, होली का दण्ड स्थापित करने से पूर्व होली की पूजा की जाती है। यजमान होली के समीप जाकर पूर्व या उत्तरमुख होकर बैठे। फिर निम्न संकल्प करें 'मम सकुटुम्बस्य सपरिवारस्य सर्वापच्छान्ति पूर्वक-सकल शुभफल-प्राप्व्यर्थ ढुण्ढा प्रीतिकामनया होलिका पूजनं करिष्ये।'

अग्नि द्वारा होली को दीप्तिमान् करें फिर एक थाली में जल से भरा लोटा, पुष्प माला, रोली, चावल, गन्ध-पुष्प कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, नारियल, बड़कुले लें। होली चैतन्य होने पर सर्वप्रथम गन्ध-पुष्पादि से उसका पंचोपचार विधि से पूजन करें। 'असृक्पाभयसंत्रस्तैः कृता त्वं होली बालिशैः अतस्त्वां पूजयिष्यामि भूते भूतिप्रदा भव।' इस मंत्र का उच्चारण करते हुए होली की तीन या सात परिक्रमा कर जल से अर्घ्य दें। तत्पश्चात् नवीन धान्य जैसे जो, गेहूँ और चने की बाली को होली की ज्वाला से सेक लें। पूरे परिवार को खिलाएं। इससे बदलते मौसम में शरीर निरोग रहता है। होली पूजन के पश्चात् नवजात शिशु को मामा या घर का मुखिया गोद में लेकर होली की परिक्रमा करे। जिससे शिशु स्वस्थ और बुरी बलाओं से बचा रहे। होली की अग्नि और राख बहुत महत्वपूर्ण होती है। इसे घर में रखने से घर सुरक्षित रहता है। घर-परिवार सदैव अदृश्य बुरी शक्तियों के प्रभाव से बचा रहता है। घर पर यदि कोई रोगी है और उसका रोग ठीक नहीं हो रहा है। तो उसके ऊपर नारियल और नीबू उतार कर होली में जला देना चाहिए।

- पं. गौरव शर्मा

With Best Compliments

MEWAR POLYTEX LIMITED

Office Address :

A-207, Road No. 11, Mewar Industrial Area, Madri,
Udaipur (Raj.), India-313003
Tel: +91-8875054444, 8875064444
Fax: +91-294-2490709

दो टकिया की नौकरी ...

✍ डॉ. देवेन्द्र इन्द्रेश

उसने तो कह दिया कि 'तेरी दो टकिया की नौकरी में, मेरा लाखों का सावन जाए।' वाह, यह भी खूब रही, मेरी नौकरी को तो इसने दो टके की बता दिया और अपने सावन को लाखों का। अरी भागवान तुसे कैसे बताऊँ कि मेरी जिस नौकरी को तू दो टके की समझ बैठी है, उसे हासिल करने में मुझे कितने पापड़ बेलने पड़े। दर-दर की ठोकरें खानी पड़ीं, तब कहीं यह नौकरी हाथ लगी फिर भी डर लगा रहता है कि कहीं यह दो टके की ही सही पर हाथ से फिसल ना जाए। कितनी बेरोजगारी है तुझे क्या पता? तू अपने लाखों के सावन को ही रो रही है। सरकार नौकरी दे नहीं रही। कहती है - नौकरी नहीं है, पकौड़े तलो और बेचो। अगर पढ़-लिख कर के भी पकौड़े ही बेचने हैं तो फिर पढ़ाई का क्या मतलब?

यह तो वही बात हुई कि - 'पढ़े फारसी बेचें तेल, यह देखो करमन के खेल।' मुझे दो टके की नौकरी मिल तो गयी, पर कैसे-इस मार्मिक दास्तान को भी तू सुन ही ले। जब मैंने पिल्ले की भांति आंखें खोली ही थीं कि पिताजी घसीटते हुए एक देशी स्कूल में दाखिल कराने ले गए। दाखिला हो गया और मैं देश का भविष्य सम्हालने के लिए क से कबूतर, ख से खरगोश और ग से गधा पढ़ने लगा।

अगले दिन पिता ने ऐलान किया कि मेरे नूरेचश्म आज मेरे साथ रोजगार दफ्तर चलोगे। तब मैं यह भी नहीं जानता था कि यह क्या बला होती है। यह तो मुझे अब पता चला कि रोजगार दफ्तर वह होता है जहाँ पता चलता है कि देश में कितने बेरोजगार और कितनी बेरोजगारी है। हम पिता की उँगली थाम रोजगार दफ्तर जा धमके। पिताश्री यह अच्छी तरह से जानते थे कि छोकरे को पढ़-लिख कर नौकरी ही तो करनी है। उन्होंने मुझे वहां बेरोजगारों की लाइन में लगा दिया। पहले से लाइन में लगे बेरोजगार यह समझे कि शायद मेरे पिताश्री बेरोजगार हैं और नौकरी के लिए अपना नाम दर्ज कराने आए हैं, जिन्होंने बच्चे को लाइन में लगा दिया है। जैसे ही मेरे नाम का ऐलान हुआ, पिताश्री अपनी जगह से उठे और हमें घसीटते हुए साहब के कमरे में ले गए। लोग आश्चर्य से कभी मुझे तो कभी पिता को देख रहे थे।

पिताश्री ने अधिकारी से कहा - जनाब! यह मेरा लख्ते जिगर है, इसका नाम फौरन से पेश्तर इन बेरोजगारों की जमात में लिख लीजिए, नहीं तो यह पिछड़ जाएगा। अधिकारी ने पिता एवं मेरी ओर कड़ी निगाहों से देखा, और कहा - अभी से इसका नाम बेरोजगारों की लिस्ट में लिखा रहे हैं?

पिताश्री ने कहा - हाँ, हुजूर, मेहरबानी करके इसका नाम लिख लीजिए। यदि इसका नाम अभी नहीं लिखा तो इसे कभी नौकरी नहीं मिल सकेगी। मैं जानता हूँ कि पढ़ाई खत्म होने पर यदि नौकरी के लिए नाम दर्ज कराया जाए तो मरने के दस बारह साल बाद नम्बर आता है। अगर अभी नाम लिख जाएगा तो जीवित रहते नौकरी मिल जाएगी।

अधिकारी आगे कुछ नहीं बोला, बस एक फार्म पर कुछ लिखने लगा। उसने पूछा - 'लल्लू कहाँ तक पढ़े हो।' मैंने तपाक से जवाब दिया - अभी तो क से कबूतर ख से खरगोश और ग से गधा तक पढ़ा है। पिता बोले - हुजूर, घ से घोड़ा होना कल से सीखना शुरू कर देगा। अधिकारी ने बेरोजगारों की लिस्ट में मेरा भी एक नाम जोड़ दिया।

खैर, इधर पढ़ाई चलती रही और उधर रोजगार दफ्तर में नौकरी के लिए मेरा नाम ऊपर चढ़ता रहा। पिता की दूरदर्शिता रंग लायी। पढ़ाई समाप्त करने के पाँच-छह साल बाद एक छोटी सी नौकरी में मेरा नाम फिट हो गया। पोस्टिंग के लिए नीचे से ऊपर तक सभी को खुश करना पड़ा। अरी भागवान! जिस नौकरी को तू दो टके की बता रही है, वह कैसे मिली, अब तू समझ गयी होगी। भले ही मेरी नौकरी दो टके की सही, परिवार के लिए तो यही अन्नपूर्णा है, समझी।

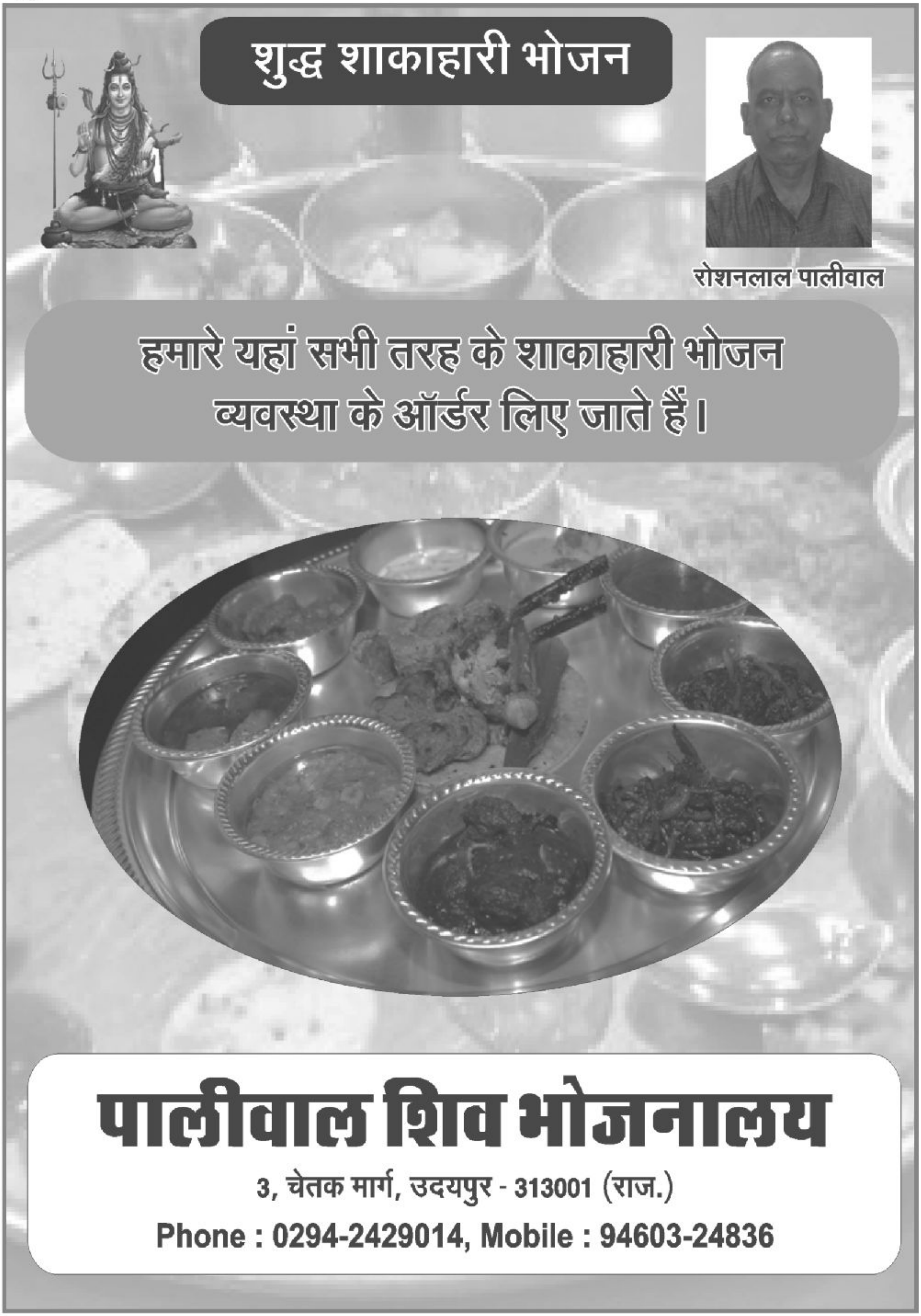
शुद्ध शाकाहारी भोजन
रोशनलाल पालीवाल
हमारे यहां सभी तरह के शाकाहारी भोजन व्यवस्था के ऑर्डर लिए जाते हैं।
पालीवाल शिव भोजनालय
3, चेतक मार्ग, उदयपुर - 313001 (राज.)
Phone : 0294-2429014, Mobile : 94603-24836

इनकी घर वापसी कब?

धारा 370 खत्म हो गई है। राज्य का दर्जा समाप्त कर जम्मू-कश्मीर को केन्द्र शासित दो प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया है। केन्द्र सरकार का दावा है कि कानून व्यवस्था पूर्णतः नियंत्रण में है। प्री-पेड मोबाइल सेवाएं शुरू हो गई हैं। घाटी के दो जिलों-कुपवाड़ा व बांदीपोरा में 2जी इंटरनेट की भी अनुमति दे दी गई है। नज़रबंद अनेक राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं-नेताओं की रिहाई हो चुकी है। लेकिन कश्मीरी पंडितों के पलायन के 30 साल बाद भी कहीं से यह संकेत नहीं मिल रहा है कि घाटी के अपने घरों में वे कब लौटेंगे? आज भी ये जम्मू, दिल्ली व अन्य शहरों में बदहाल अवस्था में रहते हुए अपनी माटी की महक पाने को आतुर हैं।

✍ **उमेश शर्मा**

'कश्मीरी हमारी पहचान है और वहां न जा पाना हमारी पीड़ा' - ये दर्द दिल्ली और अन्य जगहों पर विस्थापित ज़िंदगी ढो रहे हर एक कश्मीरी पंडित का है। 19 जनवरी 1990 और उसके बाद के उन दिनों को न कश्मीरी पण्डित भूल सकते हैं और न वे लोग जिन्होंने लाखों कश्मीरी पण्डितों को लुटते-पिटते घाटी छोड़ते देखा और सुना था। कश्मीरी पण्डितों के दिलों में 1990 की वह काली रात आज भी वावस्ता है, जब उन्हें न चाहते हुए अपना वतन, अपनी माटी छोड़कर भागना पड़ा था। उन्हें उम्मीद थी कि हालात जल्द सामान्य होंगे और वे फिर लौटेंगे, घर-बार, सम्पत्ति-सामान सब कुछ वहीं छोड़ दिया, लेकिन आज 30 साल बाद भी वे अपने वतन की माटी की खुशबू से रूबरू नहीं हो पाए हैं। भगवान राम भी 14 वर्ष का वनवास पूरा कर अपनी जन्मभूमि से लौट आए थे, इन्हें तो तीस साल हो गए, कितना कुछ हो गया, कितना कुछ बदल गया, पर न बदले तो इनकी हृदय विदारक वेदना के वे शैतानी दृश्य। मां-बाप अथवा सरपरस्तों की गोद में जो बच्चे वहां से निकले थे वे आज आधी ज़िन्दगी अपने घर से बाहर तम्बू या फिर किसी

स्कूल, धर्मशाला या नोहरे में गुजार चुके हैं। यह पीढ़ी जन्म से ही विस्थापन की त्रासदी झेलने का मजबूर हैं। मगर उन्हें अपनी जड़ें खो देने के दर्द का अहसास भी है। इनमें से कईयों ने तो छोटी-छोटी आंखों से घाटी में हिंसा के बड़े और खौफनाक मंज़र को देखा है। कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन समेत विभिन्न आतंकी संगठनों ने 1988 में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाना शुरू किया था। रात को मस्जिदों से 'काफिरों कश्मीर छोड़ो' के नारे लगाए जाने लगे थे। जिहादी इस्लामिक ताकतों ने कश्मीरी पण्डितों को तीन विकल्प दिए, धर्म बदलो, मरो या पलायन करो। इस दौरान कई महिलाओं से बलात्कार किया गया। रातों-रात कश्मीरी पण्डितों को घाटी छोड़कर निकलना पड़ा। इस दिन को याद कर आज भी ल ोगों का दर्द आंसूओं के रूप में छलक उठता है। लेकिन अब भी वे पुरखों की धरती पर सुकून की सांस के साथ जीना चाहते हैं, उस धरती को नज़दीक से देखना और उसकी माटी को माथे पर लगाना चाहते हैं। कई युवा तो ऐसे हैं, जिनका जन्म ही दूसरे शहरों में हुआ। जम्मू के शरणार्थी शिविर से लेकर विदेश में बसे कश्मीरी पण्डित चाहते हैं कि घाटी में वापसी से पहले सरकार उन्हें आश्वस्त करे कि जो 1990 में हुआ, वह दोबारा नहीं होगा। तब कश्मीरी पण्डितों को मारा गया, उनके घर फूंके गए, माहौल ऐसा बना दिया गया कि उन लोगों के लिए वहां रहने लायक कुछ बचा ही न था। आज भी इनके मोहल्लों-मकान खण्डहर बन चुके हैं। कुछ काली और बेरंग हो चुकी इमारतें खड़ी हैं, कई मकानों पर औरों ने कब्जे कर लिए हैं। अब सिर्फ कानून-व्यवस्था से ही बात नहीं बनेगी, मोहब्बत की वह तामीर फिर से करनी पड़ेगी, जो आज़ादी से पहले थी। कश्मीरी पण्डित समुदाय को इन्साफ मिलना चाहिए। उन पर हमला करने वाले आतंकियों के खिलाफ मुकदमा चलाकर उन्हें सजा दिलवानी चाहिए। पण्डितों का यह भी कहना है कि घाटी से उनका पलायन लक्षित हत्याओं के कारण ही हुआ था। अभी भी घाटी में ऐसे लोग खुले घूम रहे हैं, जिनके हाथ खून से सने हैं। वे यह भी कहते हैं कि हम विस्थापित नहीं हैं, नरसंहार के शिकार हैं। भागना लोगों की मज़बूरी थी। सरकार को कश्मीरी पंडितों की वापसी से पहले सुरक्षा की गारंटी देनी होगी।

अगस्त 2019 में जब केन्द्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त किया, तो बहुत से लोगों को उम्मीद थी कि उससे पहले वहां हालात को अच्छी तरह से नियंत्रित किया गया। हालांकि उसी समय से जम्मू-कश्मीर से संवाद बनाने की ज़रूरत थी और इसकी शुरुआत भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के वहां जाने और लोगों से मिलने के साथ हुई भी लेकिन बाद में यह सिलसिला रूकता हुआ दिखाई दिया। लेकिन केन्द्र के निर्देश पर 36 वरिष्ठ मंत्रियों ने जनवरी से पुनः जम्मू-कश्मीर का क्रमशः दौरा शुरू किया। ये स्थानीय जनता से मिलकर उनके अभाव-अभियोग सुन रहे हैं और उनका समाधान भी कर रहे हैं। मंत्रियों के इस दौरे ने केन्द्र के उस दावे को पुख्ता ही किया है कि जम्मू-कश्मीर में हालात पूरी तरह से सामान्य हैं। हालांकि हालात तो पूरी तरह सामान्य तभी माने जाएंगे, जब राजनीतिक दलों के नज़रबंद सभी नेताओं को रिहा किया जाएगा और वहां राजनैतिक प्रक्रिया सामान्य रूप से पुनः शुरू होगी।

यहीं मरेंगे, यहीं बहेगी राख

7 फरवरी को देशभर में रिलीज़ हुई विधु विनोद चौपड़ा की फिल्म 'शिकारा' कश्मीरी पंडितों के पलायन और दर्द पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म में कुछ ऐसे अदाकार भी दिखाई देंगे, जिन्होंने पलायन और पीड़ा के उन त्रासदायी लम्हों को जीया है। 'हम आयेंगे अपने वतन और यहीं पर दिल लगाएंगे, यहीं मरेंगे और यहीं के पानी में बहाई जाएगी हमारी राख।' फिल्म के इस संवाद के साथ कश्मीरी पंडितों ने घर वापसी का कैम्पेन शुरू कर दिया है। केन्द्र और जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ पूरे देश की जनता को उनके इस कैम्पेने को मज़बूत समर्थन के साथ जल्दी से जल्दी साकार करना होगा।

कश्मीर हमारा है और रहेगा, लेकिन वहां जाकर हम एक बार फिर विस्थापित नहीं होना चाहते। सरकार हमें वहां सुरक्षा दे।

- रेनू कांक

मैं गुरुग्राम से यहां कश्मीरी पंडितों के समर्थन में आया हूं। उन पर हुई हिंसा की मैं निंदा करता हूं। उनकी मांगों को मेरा समर्थन है।

- धनंजय खटाना

मैं बुढ़ापे में भी कश्मीर जाने के लिए 30 साल से भटक रहा हूं। हमारे दर्द के बारे में किसी ने नहीं सोचा। इस पर विचार करने की जरूरत है।

- प्राणनाथ

मेरे दोस्त कश्मीर घूमने गए हैं, जिसे भारत का स्विटजरलैण्ड कहते हैं। मैं वहां जाना चाहता हूं, लेकिन सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

- लक्ष्य

(दिल्ली में 19 जनवरी को कश्मीरी पण्डितों के प्रदर्शन के दौरान उभरे उद्‌गार)

घाटी में दोबारा बसाना ही न्याय होगा

हाल–फिलहाल में स्थितियां बदल रही हैं। अनुच्छेद–370 को निष्प्रभावी बनाकर हम उन अराजक तत्वों से निजात पाने में कामयाब रहे हैं, जिन्होंने अल्पसंख्यकों के नरसंहार को बढ़ावा दिया था। इसी के साथ घाटी में कानून के मुताबिक शासन भी बहाल हो पाया है। हालांकि, सही मायने में न्याय तभी होगा, जब कश्मीरी पंडितों को पहले सुरक्षित शिविरों में भेजा जाएगा और फिर हालात सुधरने के बाद उन्हें धीरे–धीरे उनके गांवों में बसाया जाएगा, जहां दशकों पहले उनसे नाइंसाफी हुई। शिविरों और गांवों में सुरक्षा मुहैया कराने के लिए सेवानिवृत्त जवानों की तैनाती की जानी चाहिए। लेकिन यह न भूलें कि अपने नागरिकों की हिफाजत करना किसी भी देश और सरकार का परम कर्तव्य है, फिर चाहे वे हिन्दू, मुसलमान, सिख या फिर किसी अन्य धर्म के क्यों न हों। सरकार को पूरी शिद्दत से अपने इस कर्तव्य का पालन करना चाहिए।

– मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) जीडी बख्शी

पंडितों की पीड़ा को समझें

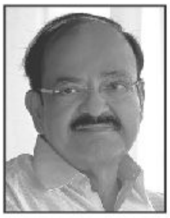

'मेरे विचार से कश्मीरी पंडितों की सरकारों और समाज से ये अपेक्षा जायज है कि वे उनकी पीड़ा और वेदना को सहानुभूति पूर्वक समझें और उनके पुनर्वास के लिए यथासंभव प्रयास करें।' 'ये संपूर्ण देश और विशेषकर कश्मीरी जनता का नैतिक दायित्व है कि वे उस भूमि के सपूतों को उनके लौटने पर सुरक्षा प्रदान करें, जो भारत के पड़ोसी द्वारा प्रायोजित आतंकवाद और हिंसा के कारण अपने ही घरों से निर्वासित कर दिए गए।'

'यह आज आवश्यक है कि कश्मीरी पंडितों तथा अन्य विस्थापित लोगों की पुनर्वास संबंधी न्यायोचित मांगों पर विचार किया जाए तथा उन्हें उनकी जन्मभूमि पर पुनर्स्थापित होने में सहायता की जाए।'

– वेंकैया नायडू, उपराष्ट्रपति

(19 जनवरी, 2020)

मुद्रा

दस बदलाव के साथ आएगा एक का नोट

7 फरवरी को घोषित अधिसूचना के अनुसार जल्दी ही एक रुपए का नोट नए सुरक्षा फीचर के साथ जनता की जेब तक आएगा। कई वाटरमार्क यानी विशेष पहचान चिह्न वाले इस नोट की छपाई की तैयारी केन्द्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने पूरी कर ली है। इस नोट की खास बात यह है कि इसे अन्य भारतीय नोटों की तरह रिजर्व बैंक जारी नहीं करेगा बल्कि भारत सरकार ही इसकी छपाई करेगी। इस पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होंगे।

कीमत से ज्यादा लागत

एक रुपये के नोट को छापने की लागत 1.14 रुपये बैठती है। वर्ष 2015 में सूचना के अधिकार(आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी में यह तथ्य सामने आया था। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि कानूनी आधार पर एक रुपये का नोट एक मात्र वास्तविक मुद्रा यानी नोट(करेंसी नोट) है। अन्य सभी तरह के नोट धारीय नोट(प्रॉमिसरी नोट) होते हैं जिस पर धारक को उतनी राशि अदा करने का वचन दिया गया होता है।

दस बड़े बदलाव

- नोट के ऊपरी हिस्से में हिन्दी में भारत सरकार और नीचे अंग्रेजी में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया लिखा होगा।
- इस पर वित्त सचिव अतनु चक्रवर्ती के हिन्दी और अंग्रेजी में हस्ताक्षर होंगे।
- इस पर एक रुपये के सिक्के का प्रतीक चिह्न होगा जिस पर सत्यमेव जयते लिखा होगा।
- इसमें दाईं तरफ नीचे की ओर नोट के नंबर लिखे होंगे जो बाएं से दाएं बढ़ते क्रम में होंगे।
- पहले तीन नंबर और शब्द आकार में एकसमान होंगे।
- नोट के ऊपरी हिस्से में भारत सरकार और गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के बाद वर्ष 2020 लिखा होगा।
- इसमें अन्न का प्रतीक बना होगा जो कृषि प्रधान देश का संकेत होगा। 15 भाषाओं में कीमत लिखी होगी।
- नोट का रंग सामने से गुलाबी–हरा होगा जबकि पीछे कई रंगों का मेल होगा।
- नोट की लंबाई 9.7 सेंटीमीटर और चौड़ाई 6.3 सेंटीमीटर होगी।
- सुरक्षा के लिए नोट में कई वाटरमार्क का इस्तेमाल होगा।

ऐसे हुई एक के नोट की शुरुआत

प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान एक रुपये का सिक्का चलता था जो चांदी का हुआ करता था। लेकिन युद्ध के चलते सरकार चांदी का सिक्का ढालने में असमर्थ हो गई और इस तरह 30 नवम्बर 1917 में पहली बार एक रुपये का नोट लोगों के सामने आया।

जीवन ईश्वर का वरदान

मौनी रॉय

“छोटे पर्दे से बॉलीवुड में आई मौनी राय (नागिन फेम) ने अपनी प्रतिभा के दम पर अपना एक अलग ही मुकाम बनाया है। फिल्मों में इन्होंने अक्षय कुमार की 'गोल्ड' से हीरोइन के रुप में डेब्यू किया। इतनी सफलता के लिए कड़ी मेहनत करने वाली मौनी खुद को फिट रखने के लिए सदैव जागरूक रहती हैं। वे जीवन को ईश्वर का वरदान मानती है।”

मेरे लिए फिटनेस बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमें कई बार छोटी-छोटी परेशानियों से बचाने के अलावा आलस से दूर रखती है। काम करने के लिए ऊर्जा का संचार करने के साथ प्रेरित भी करती है फिटनेस। मैंने हमेशा से अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान दिया, फिर चाहे मैं कहीं भी रहूं। मैं अपने वर्क शेड्यूल के हिसाब से अपनी एक्सरसाइज और जिम का समय निकाल ही लेती हूं। मैं एक कलाकार हूं, जिसे हर वक्त प्रेजेंटेबल दिखना होता है और ऐसे में मेरे तन और मन की फिटनेस मेरी मदद करती है।

मैं कथक की ट्रेंड डांसर हूं। हर दिन डांस की प्रेक्टिस करती हूं, जिससे मेरे शरीर के हर हिस्से की एक्सरसाइज हो जाती है। इसके अलावा जिम भी जाती हूं, जहां वेट ट्रेनिंग और कार्डियो करती हूं। इससे मुझे टोंड बॉडी मिलती है। इसके अलावा जॉगिंग और वॉक मुझे बहुत पसंद है। डाइट का खास ख्याल रखती हूं। मुझसे भूख बर्दाश्त नहीं होती, इसलिए मैं हर दो घंटे में कुछ न कुछ खाती रहती हूं। इससे मेरा मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है। मीठे, तैलीय और मसालेदार भोजन को नजरअंदाज करती हूं। मैं नियमित रूप से योगा

भी करती हूं। योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। इससे एकाग्रता और काम करने की क्षमता बढ़ती है। स्वास्थ्य के लिए योग एक वरदान है। योग करने से कभी निराश और दुखी महसूस नहीं किया। क्योंकि इसका सीधा प्रभाव मन और मस्तिष्क पर पड़ता है।

जीवन मेरे लिए ईश्वर के वरदान की तरह है, जहां अपनों का साथ होता है, दोस्तों की दुआ होती हैं। प्यार और विश्वास से हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा रहता है। दरअसल, जीवन है तो हमारा अस्तित्व है। यही वजह है कि मैं जीवन का सम्मान करने के साथ उससे बहुत प्यार करती हूं।

मुझे घर को सजाना और संवारना बहुत अच्छा लगता है। इसलिए जब भी मौका मिलता है, मैं ऐसे काम करती हूं। मुझे खाना बनाने का भी खूब शौक है। जब भी मौका मिलता है, किचन में कुछ नया बनाने में जुट जाती हूँ। विभिन्न प्रकार की फूड वैरायटी मुझे बहुत पसंद है।

मेरा झुकाव बचपन से ही रचनात्मक क्षेत्रों की तरफ रहा है। मुझे इतना तो पता था कि आगे जाकर इससे जुड़े किसी क्षेत्र में काम करूंगी। बचपन से डांस करती आ रही हूं, फिर जब पर्दे पर अभिनय करने का मौका मिला, तो लगा कि तलाश पूरी हो गई। अब इसमें आगे बढ़ना है। फिल्मों के और ऑफर भी मिल रहे हैं, जिनमें से उनका ही चयन करूंगी जो मेरे लिए अनुकूल हों। जॉन अब्राहम के साथ 'रोमियो अकबर वाल्टर' फिल्म में काम के बाद जल्दी ही में राजकुमार राव के साथ फिल्म 'मेड इन चाइना' में दिखाई दूंगी।

ऐसे अभी मौनी के पास फिल्मों के अलावा कुछ और करने का समय नहीं है फिर भी वह ऑनलाइन (वेब सिरीज) प्लेटफॉर्म पर काम करने का इन्तजार कर रही हैं। वह कहती हैं, 'मुझे जो काम पसन्द होता है, मैं उसके लिए समय निकाल ही लेती हूँ। जैसे कि मुझे पढ़ना बहुत पसन्द है और पिछले कुछ हफ्तों से मेरा शेड्युल बहुत व्यस्त है। फिर भी उसमें से थोड़ा समय अपने लिए चुरा ही लेती हूँ।' मोहित रैना से ब्रेकअप के बाद यह सुनने को मिल रहा था की मोनी दुबई में किसी को डेट कर रहीं हैं। इस पर उनका कहना है, 'मैं किसी को डेट नहीं कर रही और जो लोग मेरे लिए मायने रखते हैं, वे जानते है कि मैं सिंगल हूँ।'

प्रस्तुति : **संजय सांखला**

अनुरोध

'प्रत्यूष' आपकी अपनी पारिवारिक पत्रिका है। इसे अपने परिवार में अवश्य सम्मिलित कीजिए। पत्रिका आपको कैसी लगी? कृपया अपने विचार भी हमें अवश्य भिजावें। आपके सुझावों को स्वागत होगा।

E-mail : pankajkumarsharma2013@gmail.com

Whatapp No. : 7597911992

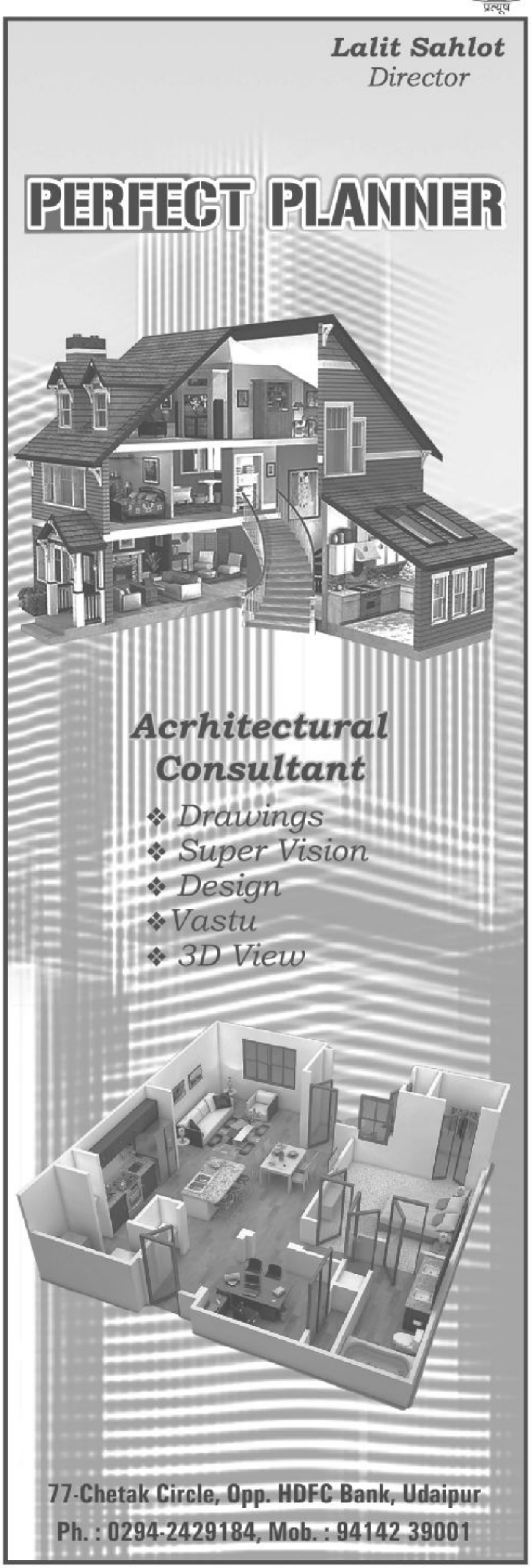

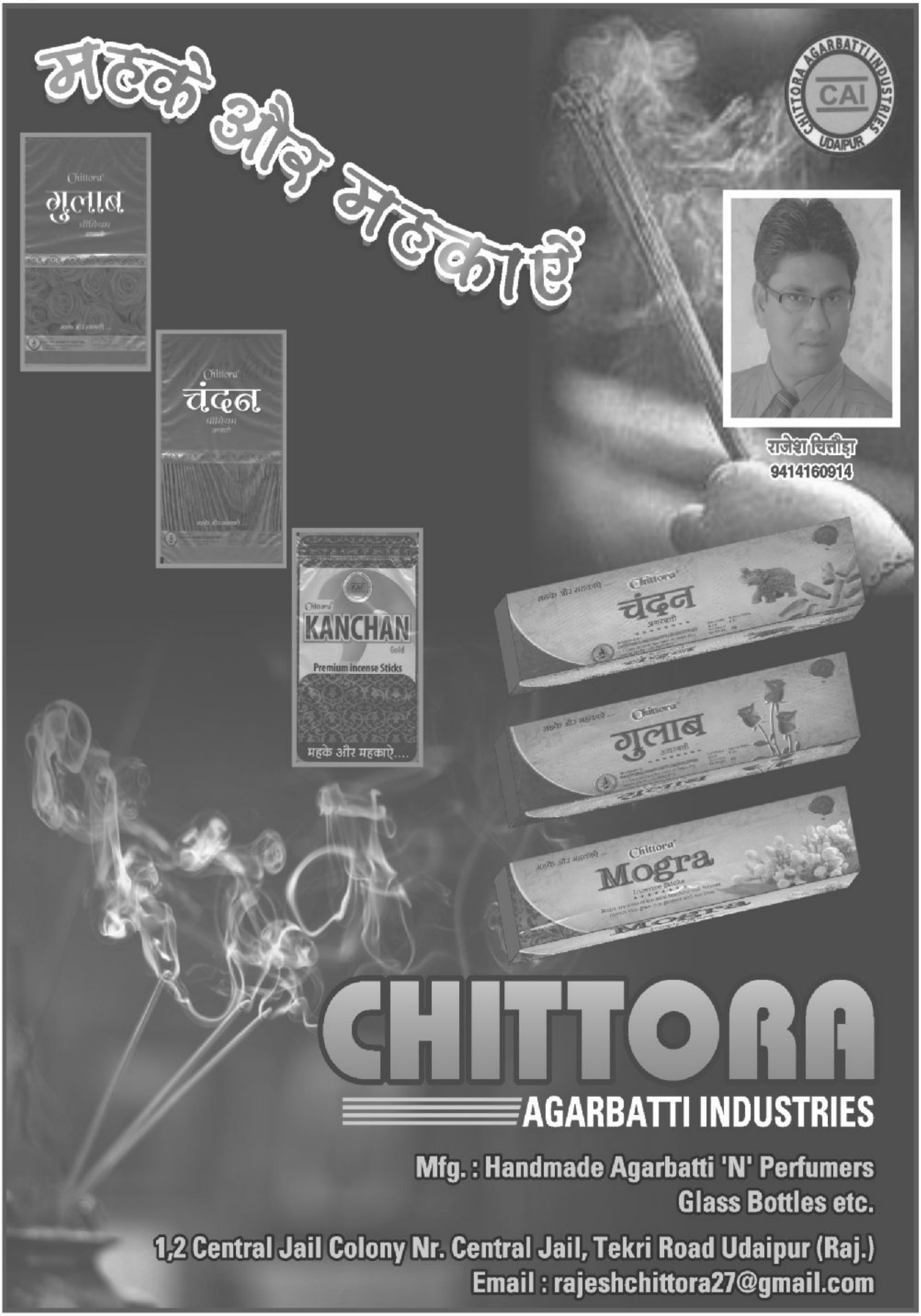
महके और महकाएं
CHITTORA AGARBATTI INDUSTRIES
CAI
UDAIPUR
Chittora
गुलाब
Chittora
चंदन
Chittora
KANCHAN
Gold
Premium incense Sticks
महके और महकाए....
राजेश चित्तौड़ा
9414160914
Chittora
चंदन
Chittora
गुलाब
Chittora
Mogra
CHITTORA
AGARBATTI INDUSTRIES
Mfg. : Handmade Agarbatti 'N' Perfumers
Glass Bottles etc.
1,2 Central Jail Colony Nr. Central Jail, Tekri Road Udaipur (Raj.)
Email : rajeshchittora27@gmail.com

मध्यवर्ग पर मरहम

कल के भरोसे अर्थव्यवस्था

वर्ष 2020-21 के वित्त वर्ष के लिए संसद में प्रस्तुत बजट मुख्यतः तीन बातों पर आधारित है - महत्वाकांक्षी भारत, सबका आर्थिक विकास और जिम्मेदार समाज। पहली बार इनकम टैक्स के दो विकल्प, नई दरों में रियायतें नहीं मिलेंगी। बैंक में जमा रकम रहेगी सुरक्षित, बीमा रकम एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख की। उदारीकरण और सुधारों को बढ़ाने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम(एलआईसी) का आईपीओ और आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव।

✍ जगदीश सालवी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को संसद में अपना पहला पूर्ण बजट पेश किया। अर्थव्यवस्था की डगमगाती नाव को थामने के लिए बजट में कई अहम प्रावधान किए गए हैं। साथ ही सरकार ने मध्य वर्ग पर मरहम लगाने की कोशिश भी की है।

वित्त वर्ष 2020-21 के बजट से यह साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में किसी भी ऐसे चमत्कार की उम्मीद नहीं है, जिससे कमजोर पड़ रही अर्थव्यवस्था में थोड़ी सी भी जान आने के संकेत हों। बजट में सरकार ने जो कदम उठाए हैं, घोषणाएं की हैं, योजनाओं का इन्द्रधनुष खींचा है और जिन-जिन क्षेत्रों के लिए जैसा बजट आवंटन किया है, वे इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि सरकार मंदी को लेकर ज़रा भी परेशान नहीं है, बल्कि वह सुधार की दीर्घावधि नीतियों पर चल पड़ी है। करीब 30 लाख करोड़ रुपये के इस बजट में वित्त मंत्री ने हरेक तबके को कुछ न कुछ देने की कोशिश की है - चाहे वे वृद्ध हों, एससी-एसटी या एमएसएमई(माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम इंटरप्राईजेज) हों, लेकिन इसके लिए संसाधन कहां से मिलेंगे, इसका कोई सीधा-सरल, स्पष्ट रास्ता उन्होंने नहीं बताया है।

लक्ष्य बड़े, प्रयत्न पिछड़े

वित्तमंत्री ने बजट में लक्ष्य तो काफी अच्छे-अच्छे घोषित किए हैं, मगर हरेक बजट की यह विडम्बना रहती है कि लक्ष्य तो अच्छे-अच्छे घोषित कर दिए जाते हैं, मगर उन्हें हासिल करने की दिशा में प्राय: प्रयत्नों को पिछड़ते ही देखा है। वित्तमंत्री ने नए वित्त वर्ष में 10 फीसद न्यूनतम विकास दर का अनुमान लगाया है और उसी के आधार पर यह बजट तैयार हुआ है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में 12 प्रतिशत की नॉमिनल विकास दर का अनुमान लगाया गया था और वह रही मात्र 7 फीसदी। जब तक विकास दर 10 प्र.श. नहीं बढ़ती, तब तक न्यूनतम विकास दर दस प्र.श. हासिल करना मुश्किल ही होगा। इस बजट से सरकार का यही सोच उभर कर आता है कि आज भले ही परेशानी हो सकती है किन्तु आज का बोया बीज कल फल ज़रूर देगा, इसलिए तात्कालिक समस्याओं के बजाय दीर्घावधि नीतियों के मार्ग पर चलना ही श्रेयस्कर है। लेकिन आज का दौर भी कम कष्टकारक नहीं है, जिसे हाशिए पर ठेल दिया जाए।

युवाओं में निराशा

अर्थव्यवस्था आज जिस हालत में पहुंच चुकी है, उससे आम आदमी को कैसे छुटकारा मिलेगा? बेरोजगारी की चिंता में निराश बैठे करोड़ों युवाओं को सहारा कैसे मिलेगा, यह गंभीर सवाल है। यदि हम मान भी लें कि आज बोया बीज कल फल दे ही देगा तो अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए पिछले साल सरकार ने कॉर्पोरेट क्षेत्र को 1 लाख 35 हजार करोड़ की जो रियायत दी थी, उसका असर अभी तक दिखना शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में मौजूद अर्थव्यवस्था की डगमगाती नैया को यह बजट सन्तुलित करते हुए किनारे पर ले ही आएगा, कहना मुश्किल है।

केन्द्र सरकार का बजट ऐसे समय हमारे सामने है, जब देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की बातें की जा रही हैं। दरअसल, विकास की रणनीति को हमें गंभीरता से लेना होगा। अगर हम अर्थव्यवस्था में फिर से नव अनुष्ठान के साथ प्राण प्रतिष्ठा चाहते हैं तो नीति आयोग को सक्रिय करना होगा। जैसे कभी योजना आयोग इस दिशा में काम करता था, ठीक वैसे ही नीति आयोग को लम्बे समय की योजनाएं बनाने और उन पर अमल के काम पर लगाना होगा।

भ्रमजाल में आयकर

बजट से आमजन खासतौर से मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा उम्मीदें होती हैं। नौकरीपेशा तबके की निगाहें करों में रियायत पर होती हैं। लेकिन 2020-21 के बजट में नई कर व्यवस्था बना दी गई हैं, वह राहत देने के बजाय संकट ही ज्यादा खड़े करेगी। लोगों को एक कर व्यवस्था को चुन कर उसी के हिसाब से कर भुगतान करना होगा। नई कर व्यवस्था व्यक्तिगत आयकर दाता को उसी तरह परेशान कर सकता है जैसे जीएसटी को लेकर व्यापारी हो रहे हैं। सरकार पैसा जुटाने के लिए अब एलआईसी व आईडीबीआई में हिस्सेदारी बेचेगी। ये सरकार की खराब माली हालत का संकेत है। खनन, ऊर्जा, रियल एस्टेट जैसे प्रमुख क्षेत्रों को रफ्तार देने के लिए बजट से जिस तरह के उपायों की उम्मीद थी,उसने कारोबारियों को निराश ही किया है। मांग, निवेश और खपत का चक्र चल निकले, रोजगार बढ़े, इसके लिए बजट में ठोस प्रावधान नहीं हैं। सब कल के भरोसे है।

मंहगाई का तोड़ नहीं

बजट में कोई बात लीक से हटकर ऐसी नहीं है, जो आम आदमी को तसल्ली देने वाली हो। दाल, मोटे अनाज हों या नकदी फसलें, इनके दाम पिछले वर्षों में बढ़ नहीं रहे हैं, जबकि लागत बढ़ती जा रही है। बिजली की दरों में बेफाम इजाफा हुआ है, खाद के दाम आसमान की ओर उन्मुख हैं। कृषि लागत बढ़ी है और उत्पाद के दाम घटे हैं। ऐसे में किसानों की आय दोगुनी करने वाला कौनसा चमत्कारी 'चिराग' होगा देखना शेष है। समर्थन मूल्य के अनुरूप किसानों को लाभ नहीं हो रहा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना हर किसान तक नहीं पहुंची है। पिछले साल के बजट में इस योजना में 75 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन 54 हजार 740 करोड़ रुपए ही खर्च हुए। इस मद में इस बार भी इतनी ही राशि का प्रावधान किया गया है। 30 लाख करोड़ के खर्च वाले बजट में दो लाख 83 हजार करोड़ रुपए गांव और किसान के लिए रखे गए हैं। यह रकम बजट की कुल राशि की दस फीसद से भी कम है। यह अलग बात है कि किसानों को कर्ज देने के लिए करीब 15 लाख करोड़ का एक आंकड़ा दिया गया है। ऐसा ही एक आंकड़ा पिछले वर्ष भी था। पता नहीं उसके परिणाम क्या हुए? किसानों को कर्जदार बनाने की यह प्रवृत्ति ठीक भी नहीं है। देश में नब्बे फीसद किसान खेतिहर मजदूर और छोटे किसान ही हैं जो किसी न किसी रूप में कर्ज में दबे हैं। पर बजट के उपायों में किसानों की समस्याओं का स्थायी हल नदारद है। बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी जोर दिया गया है। शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए विदेशों से कर्ज और एफडीआई के उपाय तलाशने की बात है। शिक्षा क्षेत्र के बजट में 99300 करोड़ रुपए रखे गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए 69 हजार करोड़ रुपए देने की बात है। छोटे-मझौले उद्योगों को राहत देने के लिए सरकार ने सीमा शुल्क में कटौती का जो कदम उठाया है, उससे घरेलू बाजार में मांग निकलने की उम्मीद जरूर बन सकती है। पर समस्या यह है कि नोटबंदी की वजह से जो उद्योग तबाह हो गए, वे फिर से कैसे खड़े हों? बजट ऐसे उद्योगों के लिए मददगार साबित होगा, इसमें संदेह है।

ये हुआ सस्ता

इलेक्ट्रॉनिक, कारें, गृह ऋण, साबुन, शैंपू, बालों का तेल, टूथपेस्ट, डिटरजेंट, बिजली का घरेलू सामान जैसे पंखे, लैंप, ब्रीफ केस, यात्री बैग, सेनिटरी वेयर, बोतल, कंटेनर, रसोई में प्रयुक्त सामान जैसे बर्तन, गद्दा, बिस्तर, चश्मों के फ्रेम, बांस का फर्नीचर, पास्ता, मयोनेज, धूपबत्ती, नमकीन, सूखा नारियल, सैनिटरी नैपकिन। ऊन और ऊनी धागे, खाद्य वस्तुएं जैसे चॉकलेट, वैफर्स, कस्टर्ड पाउडर, संगीत के उपकरण, ग्लासवेयर, पॉट, कुकर, चूल्हा, लाइटर, प्रिंटर, ऊनी वस्त्र सस्ते। बैट्री से चलने वाले वाहनों के कल-पुर्जे, कैमरा मॉड्यूल, मोबाइल फोन के चार्जर और सेटअप बॉक्स।

ये हुआ महंगा

दूध, दूध के उत्पाद, तार, पाइप और ट्यूब, रंगीन टेलीविजन, ऑडियो कैसेट, प्रिंटर, मूंगफली का मक्खन, संरक्षित आलू, पेट्रोल-डीजल, सोना, काजू, आयातित किताबें, ऑटो पार्ट्स, सिंथेटिक रबर, पीवीसी, टाइल्स, तम्बाकू उत्पाद, सोने के अलावा चांदी और चांदी के आभूषण खरीदने के लिए भी अतिरिक्त रुपए खर्च होंगे। ऑप्टिकल फाइबर, स्टेनलेस उत्पाद, एसी, लाउडस्पीकर, वीडियो रिकॉर्डर, सीसीटीवी कैमरा, वाहनों के हॉर्न।

"इस बजट में विजन और एक्शन है। इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और हर नागरिक सशक्त होगा। बजट ने न्यूनतम शासन, अधिकतम सुशासन की प्रतिबद्धता को और मज़बूत किया है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री"

"बजट मोदी सरकार की खोखली बातों का पिटारा है। इसमें बेरोजगारी से निपटने का कोई खाका नहीं। आयकर स्लैब को सरल बनाने की जगह अब एक और विकल्प देकर भ्रम की स्थिति पैदा कर दी गई है। अर्थव्यवस्था की मज़बूती के लिए इसमें कुछ भी नहीं है।

- राहुल गांधी, नेता, कांग्रेस"

अनाड़ी डॉक्टरों के हाथों में कमान

अर्थव्यवस्था ढहने के कगार पर है और इसकी देखभाल का जिम्मा अनाड़ी डॉक्टरों के हाथ में है। बढ़ती बेरोजगारी और घटते उपभोग की वजह से आज देश गरीब हो रहा है। अर्थव्यवस्था के समक्ष मांग में कमी है और निवेश इसकी राह देख रहा है। अर्थव्यवस्था गिरती मांग और बढ़ती बेरोजगारी का सामना कर रही है। इस समय देश में डर और अनिश्चितता का माहौल है।

सरकार ने लोगों के हाथ में पैसा देने की बजाय कंपनी कर में कटौती के जरिये 200 कॉरपोरेट के हाथ में पैसा दिया है। वित्त मंत्री ने अपने 160 मिनट के बजट भाषण में न तो अर्थव्यवस्था की बात की और न उसका प्रबंधन किस तरीके से किया जाए, इसके बारे में कुछ कहा। 'आप ऐसे बंद चैंबर में रहते हैं जहां आप सिर्फ अपनी ही आवाज की प्रतिध्वनि सुनना चाहते हैं।'

नोटबंदी और जल्दबाजी में माल व सेवा कर(जीएसटी) को लागू कर 'बहुत बड़ी गलती' की गई। इसने अर्थव्यवस्था को रौंद डाला। मोदी सरकार पहले से संरक्षणवाद की प्रवृति वाली है। 'मजबूत' रुपए के साथ ही वह द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों के भी खिलाफ है। सरकार हर चीज को नकार रही है। पिछली लगातार छह तिमाहियों से आर्थिक वृद्धि दर नीचे आ रही है। बजट में आर्थिक समीक्षा का कोई उल्लेख नहीं था।

जीडीपी की वृद्धि दर लगातार छह तिमाहियों से घट रही है। कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर मात्र दो फीसद है, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति जनवरी 2019 में 1.9 फीसद थी और मात्र 11 माह के अरसे में यह 7.4 फीसद पर पहुंच गई। खाद्य मुद्रास्फीति 12.2 फीसद पर है, बैंक ऋण की वृद्धि दर आठ फीसद और गैर-खाद्य ऋण की वृद्धि दर सात-आठ फीसद है। उद्योग को ऋण वृद्धि मात्र 2.7 फीसद है। कृषि क्षेत्र की ऋण वृद्धि 18.3 फीसद से घटकर 5.3 फीसद पर आ गई है। एमएसएमई को ऋण 1.6 फीसद से 6.7 फीसद रह गया है। वर्ष के दौरान सकल औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मात्र 0.6 फीसद है। प्रत्येक प्रमुख उद्योग या तो शून्य के नजदीक हैं या नकारात्मक हैं। ताप बिजली संयंत्र अपनी क्षमता के सिर्फ 55 फीसद पर परिचालन कर रहे हैं।

- पी. चिदम्बरम् (वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व वित्तमंत्री)

"ये एक बेहतरीन बजट है। इसमें निवेश को प्रोत्साहन मिला है। ऐसे कई कदम हैं जिससे निवेशकों का विश्वास भारत पर बढ़े और देश के आर्थिक गति मिले। दूसरी तरफ बजट में कृषि को लेकर सरकार ने 16 सूत्रीय कार्यक्रम की रूपरेखा पेश की है अगर इस पर अमल किया जा सका तो देश की आर्थिक रफ्तार बेहद तेज हो सकती है।

- राजीव कुमार, उपाध्यक्ष, नीति आयोग"

बजट रथ के सात महारथी

वित्तमंत्री सीतारमण ने मोदी सरकार का सातवां और वित्तमंत्री के रूप में दूसरा बजट पेश किया। बजट बनाने में निम्न अफसरों व अर्थशास्त्रियों की बड़ी भूमिका रही।

- के. सुब्रमण्यन, मुख्य आर्थिक सलाहकार

वित्तीय अर्थशास्त्र में पीएचडी हैं। जुलाई 2019 के बजट में सुब्रमण्यन ने पहला आर्थिक सर्वे पेश किया। इन्होंने 5 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था को लक्ष्य तक पहुंचने के लिए चीनी मॉडल अपनाने के उपाय दिए।

- राजीव कुमार, वित्त सचिव

झारखंड कैडर के 1984 बैच के आईएएस हैं। मोदी सरकार के कई एजेंडों को रफ्तार देने में भूमिका रही है। आर्थिक सुस्ती से निपटने व राजकोषीय घाटे पर नजर रखने की जिम्मेदारी इन पर ही रहेगी।

- अतुन चक्रवर्ती, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव

गुजरात कैडर के 1985 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। बजट बनाने में बड़ी भूमिका रही है।

- अजय भूषण पांडे, राजस्व सचिव

महाराष्ट्र कैडर के 1984 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। यूआईडीएआई में प्रमुख भूमिका निभाने के बाद अब राजस्व के मोर्चे पर भी वैसी ही भूमिका निभाने की है।

- टी.वी. सोमनाथन, व्यय विभाग के सचिव

1987 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईएएस हैं। हाल ही में वित्त विभाग में आए हैं। 2015 में प्रधानमंत्री कार्यालय में सेवाएं दीं। विश्व बैंक संग काम किया है।

- तुहिन कांत, विनिवेश विभाग के सचिव

1987 बैच के ओडिशा कैडर के आईएएस अफसर हैं। बीपीसीएल और एयर इंडिया जैसी कंपनियों के विनिवेश की योजना बनाई है।

- संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार

इतिहासकार एवं अर्थशास्त्री हैं। व्यापार व वाणिज्य के लिए बनी समिति में भी हैं। बजट संग आर्थिक सर्वेक्षण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

होली की मस्ती पकवानों का आनंद

✍ उर्वशी शर्मा

फाल्गुन की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला होली का त्योहार न सिर्फ रंगों का पर्व है, बल्कि हर्षोल्लास का भी प्रतीक है। होलिका दहन से शुरू होने वाला यह त्योहार रंग पंचमी तक चलता है। होली के इन्द्रधनुषी त्योहार की तैयारी होली से कुछ दिन पूर्व ही शुरू हो जाती है। धूम-धड़ाके और रंगों के इस त्योहार पर पकवान भी तो कुछ खास होने चाहिए। जो घर में आसानी से बन सकें और रंगों की मस्ती में उनका स्वाद आनंद दे जाए।

मोहन थाल

सामग्री : बेसन 2 कप, दूध आवश्यकतानुसार, घी, सूखे मेवे कटे हुए आवश्यकतानुसार, इलायची पाउडर आधा टीस्पून, चीनी की चाशनी लगभग सवा दो कप।

विधि : भारी तले वाले पैन में घी गर्म करें। बेसन को दूध में घोल कर इसी घी में डालकर पका लें जब तक कि बेसन किनारे न छोड़ने लगे। इसके बाद इसमें चाशनी डालकर चलाएं। थोड़े सूखे मेवे, इलायची पाउडर डालें। एक थाली में घी चुपड़कर इस मिश्रण को इस पर अच्छी तरह फैला दें। इस पर बचे हुए मेवे डालकर हल्के हाथ से दबाते जाएं। मिश्रण पूरी तरह से ठंडा होने पर चाकू से बर्फी के आकार में काट लें। लो तैयार हो गया मोहनथाल।

प्याज की पकौड़ी

सामग्री : पाव कटोरी बेसन, 250 ग्राम बारीक कटे प्याज, 1 चम्मच लाल मिर्च, थोड़ी-सी हल्दी, 1 चुटकी बैकिंग पाउडर, 1 चम्मच सौंफ, आधा चम्मच, अजवाइन, बारीक कटा हरा धनिया, चुटकी भर हींग, तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि : बारीक कटे प्याज लेकर उसमें उपरोक्तानुसार बेसन को छोड़कर सारी सामग्री मिलाकर मिक्स कर लें। अब उसमें जितना समा सके उतना ही बेसन डालें। इस घोल में पानी नहीं डालना है। अब मिश्रण को अच्छी तरह मिलाकर सकें पकौड़े बनाएं। लीजिए तैयार है टेस्टी एवं क्रिस्पी प्याज की पकौड़ी।

अनरसे

सामग्री : छोटा चावल 300 ग्राम, पाउडर चीनी 100 ग्राम, दही या दूध 1 टेबल स्पून, घी 2 टेबल स्पून, तिल 2 टेबल स्पून, तिल 2 टेबल स्पून, तलने के लिए घी।

विधि : चावलों को साफ करके, धोकर पानी में भिगो दें। चावल 3 दिनों तक भीगे रखने हैं लेकिन 24 घंटे बाद पानी बदल दें। अब चावलों में से पानी निकाल दें। चावलों को किसी साफ मोटे सूती कपड़े के ऊपर छाया में फैला दें। एक-डेढ़ घंटे में चावलों का पानी सूख जाता है। ध्यान रहें कि चावल पूरी तरह नहीं सूखने चाहिए वे नम ही रहें।

इन चावलों को मिक्सी से मोटा आटे जैसा पीस कर एक बर्तन में निकाल लें। आटे को छलनी में छाना जा सकता है। चीनी पाउडर, चावल का पिसा आटा और घी को अच्छी तरह मिला लें। दही को मथ कर या दूध चम्मच से थोड़ा डाले और इस मिश्रण को इसी दही या दूध की सहायता से सख्त आटे की तरह गूंथ लें। आटे को 10-12 घंटे के लिए ढक कर रख दें। आटा नरम हो कर सेट हो जाता है। अनरसे तलने के लिए कढ़ाही में घी डाल कर गरम करें। गोल अनरसे बनाने के लिए आटे से छोटी-छोटी लोइयां लेकर तिल में लपेट कर, गोल करके, 4-5 अनरसे कढ़ाई में डाल कर करछी से हिला डुला कर ब्राउन होने तक तल लें।

मटर की मठरी

सामग्री : हरे मटर के दाने 1 कप, हरी मिर्च 4, मैदा 1 कप, हरा धनिया 2 टेबल स्पून (बारीक कटा हुआ), काली मिर्च 1 छोटी चम्मच (दरदरी कुटी), जीरा 1 छोटी चम्मच, अजवायन आधा छोटी चम्मच, नमक स्वादानुसार, तेल आवश्यकतानुसार +तलने के लिए।

विधि : मिक्सर जार में मटर के दाने और हरी मिर्च डालकर दरदरा पीस लें। किसी बड़े प्याले में मैदा लें। इसमें दरदरी पिसी मटर-मिर्च, हरा धनिया, काली मिर्च, जीरा, अजवाइन और नमक डालें। साथ ही इसमें आधा कप तेल भी डाल दें। सारी चीजों को मिलाकर बिल्कुल सख्त आटा लगाकर तैयार कर लें। आटे को ढककर 15 से 20 मिनट के लिए रख दें। अब 20 मिनट बाद आटा सेट हो जाए तो अपने मनपसंद आकार की मठरी बेल लें। इनमें फॉर्क की सहायता से काटे के निशान लगा दें, ताकि मठरियां एकदम खस्ता बनें और ये पूरी की तरह फूले ना। इन्हें प्लेट में निकालकर रख लें। अब कड़ाही में तेल गरम करके मठरियां गोल्डन ब्राउन होने तक तल लें। मठरियां बनकर तैयार हैं।

हरे चने का हलवा

सामग्री : हरे चने का पेस्ट 1 कप, चीनी 1 कप, घी एक चौथाई कप, इलायची पाउडर आधा चम्मच,

सजावट के लिए : घी 1 चम्मच, 6 बारीक कटा पिस्ता, 10 किशमिश

विधि : कड़ाही में घी गर्म करें और उसमें हरे चने के पेस्ट को मध्यम आंच पर सात से आठ मिनट तक भूनें। चीनी और इलायची पाउडर मिलाकर मिश्रण को लगातार मिलाते हुए पकाएं। जब हलवा कड़ाही में चिपकना छोड़ दे तो गैस बंद कर दें। छोटी कड़ाही में एक चम्मच घी गर्म करें और सूखे मेवों को भून लें। भुने हुए मेवों को तैयार हलवे में डालकर मिलाएं और सर्व करें।

झटपट दही वड़े

सामग्री : सूजी 180 ग्राम, दही 1 कप और दही वड़े सर्व करने के लिए, नमक स्वादानुसार, अदरक का टुकड़ा 1 इंच(बारीक कटा हुआ), हरी मिर्च 2 से 3(बारीक कटी हुई), बेकिंग सोड़ा 1 छोटी चम्मच से कम, तेल - वड़े और पकौड़े तलने के लिए।

विधि : एक बड़े प्याले में सूजी और दही डालकर मिक्स कर लें। इस मिश्रण में नमक, अदरक और हरी मिर्च डालें। सारी सामग्रियों को अच्छे से मिला लें। फिर बैटर को ढककर 10 से 15 मिनट के लिए रख दें। जिससे कि सूजी फूलकर तैयवार हो जाए।

बैटर के फूलकर तैयार होने के बाद, इसमें बेकिंग सोडा मिलाकर मिक्स कर लें। वड़े बनाने के लिए, एक कटोरी ले पर गीला कपड़ा बांध लें और कपड़े को पीछे की ओर से कटोरी को कसते हुए पकड़ लें। इसके ऊपर थोड़ा सा पानी और लगा लें और कपड़े को अच्छी तरह से गीला कर लें। इस पर 1 से 2 छोटी चम्मच बैटर उठाकर रखें और उंगलियों पर थोड़ा सा पानी लगाकर वड़े को गोलाकार कर दें। अब कड़ाही में तेल गरम करे वड़े तल लें। तलने के बाद वड़ों को पानी में डालकर अच्छे से डुबो दें ताकि ये नरम फूलकर तैयार हो जाएं। पहले से भीग रहे वड़े मुलायम हो गए हैं, इन्हें पानी से बाहर निकाल लें। वड़ों को पानी से निकालते समय दोनों हाथों के बीच में रखकर दबा दें ताकि पानी निचुड़ जाए। फिर वड़े को एक प्लेट में रख दें। दही वड़े परोसने के लिए तैयार हैं। दही वड़ा सर्व करने के लिए एक सर्विंग प्लेट लें। इसमें 2 वड़े रखें और इनके ऊपर 3 से 4 छोटी चम्मच गाढ़ा फैटा हुआ दही डालें। इसके बाद, वड़ों पर 1 छोटी चम्मच मीठी चटनी, हरे धनिये की चटनी, थोड़ा सा भुना जीरा पाउडर, जरा सा काला नमक और जरा सा लाल मिर्च पाउडर डाल दें। दही वड़े खाने के लिए तैयार हैं।

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

माह का उत्तरार्द्ध सकारात्मक परिणाम देने वाला होगा। आय पक्ष मजबूत व दाम्पत्य जीवन में भी मिठास रहेगी। भाग्य पूर्ण साथ देगा। कर्म क्षेत्र में प्रगति, नये उद्यमों में मन लगेगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, नये लोगों से सम्पर्क स्थापित होंगे।

वृषभ

भाग्य के बल से कर्म क्षेत्र निखरेगा, पुरूषार्थ पर बल दें, विवेकपूर्ण निर्णय लाभप्रद सिद्ध होंगे। माह का पूर्वार्द्ध कर्म क्षेत्र की दृष्टि से श्रेष्ठ परिणाम देगा, प्रतियोगी परीक्षाओं में वांछित परिणाम संभव, दाम्पत्य जीवन में अल्पकालिक कटुता, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन

प्रत्येक कार्य को प्रसन्नता से सम्पादित करें, सार्थक परिणाम मिलेंगे। साझेदारी में बाधाएँ एवं मुश्किलें उत्पन्न हो सकती हैं, भाग्य का पूर्ण सहयोग, सन्तान पक्ष से सन्तुष्ट रहेंगे, कुटुम्ब में मतभेद संभव।

कर्क

इस माह आपको बहुत सतर्क रहना होगा, विरोधी नीचा दिखाने में प्रयासरत रहेंगे। कोई रोग भी आपको परेशान कर सकता है, कार्य क्षेत्र में भी अड़चनें उभरेंगी, अपने विश्वस्तों की सहायता से समस्याओं पर काबू पाने की कोशिश करें। जीवन साथी का पूर्ण सहयोग रहेगा।

सिंह

आत्मबल बढ़ेगा, कुछ नया करने का मन बनेगा, लम्बित कार्यों में प्रगति होगी, परन्तु आय पक्ष प्रभावित रहेगा, सहयोगियों व मित्रों से मदद लेनी पड़ेगी। सन्तान पक्ष से सन्तुष्टि, दूर की यात्राओं से परहेज करें, वाहन की गति पर नियन्त्रण रखें।

कन्या

समय अनुकूल है। आय वृद्धि के नये प्रयोग कारगर होंगे, जिसमें सन्तान का सहयोग रहेगा। कर्म क्षेत्र में आने वाली बाधाओं से विचलित न हों। दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा, किसी स्थाई कार्य के लिए दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है, लाभ मिलेगा।

तुला

पराक्रम एवं महत्वाकांक्षाओं में वृद्धि होगी, किन्तु बनते कार्य अटक सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि, नौकरीपेशा को तरक्की के अवसर मिलेंगे, वाकपटुता से रूके कार्य निकलवा लेंगे। दाम्पत्य जीवन श्रेयस्कर, स्वास्थ्य उत्तम।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
6 मार्च	फाल्गुन शुक्ला 11	नर्मदा जयंती
8 मार्च	फाल्गुन शुक्ला 14	रामस्नेही जयंती
9 मार्च	फाल्गुन शुक्ला 15	संत रविदास जयंती
11 मार्च	चैत्र कृष्णा 2	श्रीनाथ जी पाटोत्सव(नाथद्वारा)
13 मार्च	चैत्र कृष्णा 4-5	महाशिवरात्रि
15 मार्च	चैत्र कृष्णा 7	श्रीराम कृष्ण परमहंस जयंती
16 मार्च	चैत्र कृष्णा 8	ऋषभदेव जयंती(केसरियाजी मेला)
18 मार्च	चैत्र कृष्णा 10	दशामाता व्रत
25 मार्च	चैत्र शुक्ला 1	नवरात्रि स्थापना/चेटीचण्ड
27 मार्च	चैत्र शुक्ला 3	गणगौरी मेला, जयपुर
30 मार्च	चैत्र शुक्ला 6	राजस्थान स्थापना दिवस

वृश्चिक

कार्यों एवं विचार शक्ति से पराक्रम में वृद्धि होगी। स्थाई सम्पति में वृद्धि तथा नवनिर्माण के योग। माह का उत्तरार्द्ध श्रेयस्कर, लम्बी दूरी की यात्राओं के आकस्मिक योग बन सकते हैं। सन्तान पक्ष सामान्य, स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु

मानसिक द्वन्द्व से उबरने में समय लगेगा, भाई-बहिन एवं मित्रों का भरपूर सहयोग, विवेक शक्ति का पूर्ण उपयोग करके ही कोई निर्णय लें, रचनात्मक कार्यों में रूचि लेंगे, आय के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे, दाम्पत्य जीवन में कशमकश रहेगी, खर्चों में अधिकता, स्वास्थ्य सामान्य, सन्तान पक्ष से थोड़ी परेशानी संभव।

मकर

यह माह मिश्रित फलदायी रहेगा। आकस्मिक खर्चों से बजट गड़बड़ा सकता है, परिवार से प्रशंसा प्राप्त करेंगे, मानसिक अवसाद से भी ग्रसित हो सकते हैं, श्रेष्ठीजन से परामर्श अवश्य लेते रहें, भाग्य सामान्य, लोगों के बीच रहें। स्वास्थ्य मध्यम, दाम्पत्य जीवन सुखमय किन्तु गुप्त शत्रुओं से सावधान।

कुम्भ

शारीरिक व्याधियों का शमन होकर नव ऊर्जा का संचार होगा। धनागम के योग, किसी स्थाई सम्पत्ति में निवेश, भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। अपनी कार्य पद्धति से कर्म क्षेत्र में प्रभाव छोड़ेंगे। दाम्पत्य जीवन उत्तम रहेगा।

मीन

आय के स्थाई उपाय लाभप्रद रहेंगे। कर्म क्षेत्र में बाधाएँ किन्तु सफलता मिलेगी, स्थान परिवर्तन के भी योग हैं, भाग्य सामान्य, वाक्पटुता से दूसरों को प्रभावित करेंगे, सट्टा-लाटरी से दूरी बनाये रखें, वरिष्ठ व अनुभवी लोगों से परामर्श आपको सफलता दिलायेगा, दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा।

Giriraj Bhavsar
94141 63435
88298 63435

Ankit Naksha Kendra

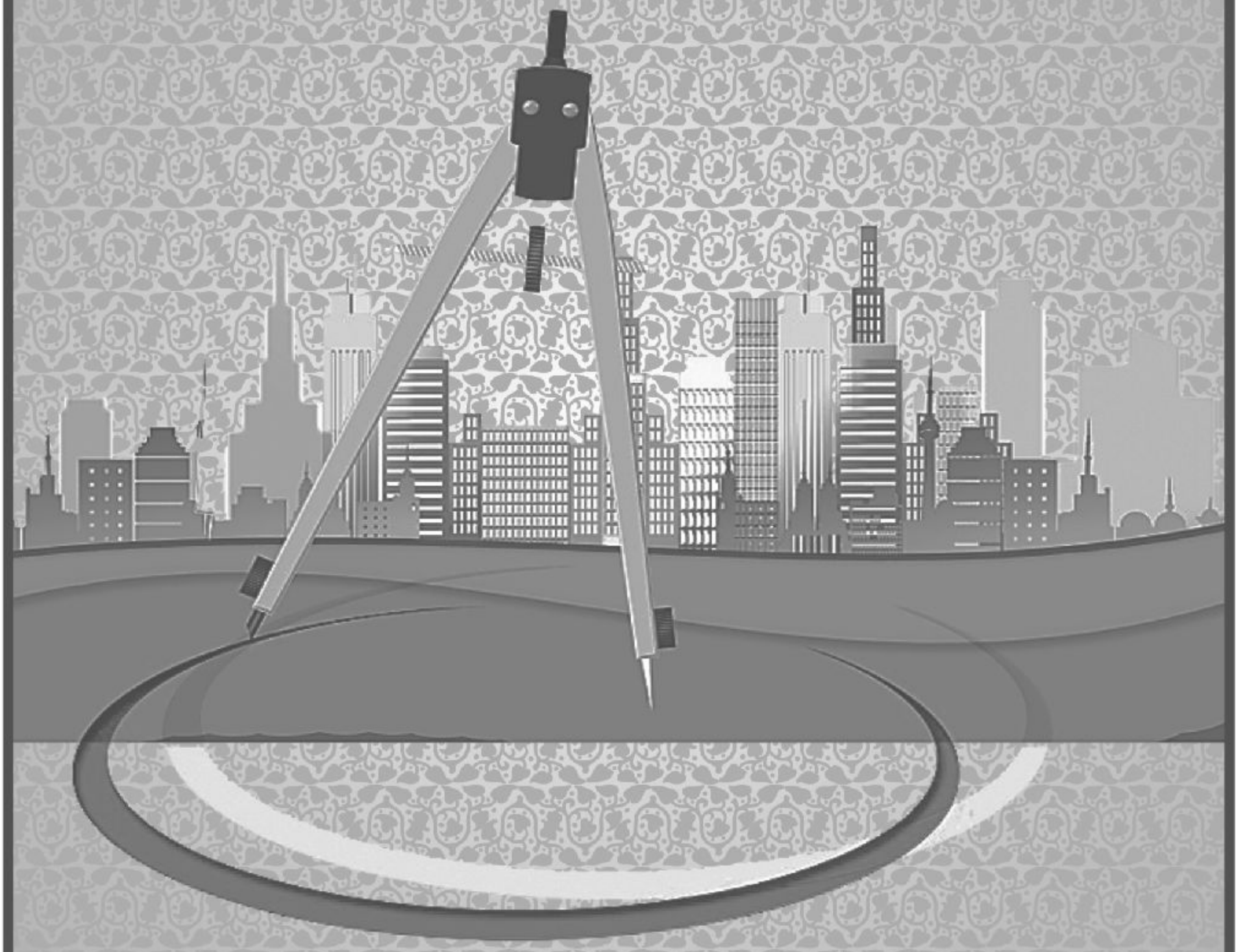

Architect | Construction | Consultant

Town Hall Link Road, Udaipur - 313001
Branch Office : 7-A, Savina Main Road, Udaipur

ankitnakshakendra@gmail.com | girirajbhavsar@gmail.com

तिलक आसन व्याख्यानमाला

डिग्री अन्तिम लक्ष्य नहीं : कोठारी

उदयपुर। शिक्षा की अवधारणा संस्कृति पर टिकी होनी चाहिए, लेकिन वर्तमान शिक्षा से संस्कृति व संस्कार गायब हो रहे हैं, जो चिंता का विषय है। युवा पीढ़ी डिग्री व बड़े पैकेज के चक्कर में अपनी संस्कृति व संस्कार दूर होती जा रही है, जिससे आने वाले समय में दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे। यह बात दैनिक राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान सम्पादक डॉ. गुलाब कोठारी ने पिछले दिनों डबोक स्थित लोकमान्य तिलक महाविद्यालय में 'प्रकृति एवं शक्ति स्वरूप' विषय पर 52वीं तिलक आसन व्याख्यानमाला को बतौर मुख्य अतिथि व वक्ता सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने की जरूरत है। हमारे पाठ्यक्रमों में ऐसे विषयों को शामिल करना होगा, जिससे जीवन निर्माण की शिक्षा मिलती हो और इंसानियत की समझ पैदा हो सके। शिक्षा का उद्देश्य मात्र डिग्री और कॅरिअर ही नहीं होना चाहिए, बल्कि मूल्यों पर आधारित जीवन निर्माण की शिक्षा होनी चाहिए। आज की पीढ़ी कॅरिअर को ही अपना लक्ष्य मान बैठी है, लेकिन यही जीवन का लक्ष्य नहीं है। जीवन के लक्ष्य को पहचान कर आगे बढ़ना चाहिए, लक्ष्य के बिना यात्रा अधूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहाकि हम सभी को प्रकृति ने बनाया है, यही जीवन चलाती है। इसके स्वरूप की जानकारी होना आवश्यक है। यह किसी के साथ भेदभाव नहीं करती। विशिष्ट अतिथि कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर व उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालसिंह झाला ने भी विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य प्रो. शशि चित्तौड़ा ने तिलक आसन व्याख्यानमाला के बारे में जानकारी दी। संचालन डॉ. अमी राठौड़ व डॉ. हरीश चौबीसा तथा आभार प्रो. सरोज गर्ग ने व्यक्त किया।

तिलक आसन व्याख्यानमाला का उद्घाटन करते पत्रिका समूह के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी व कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत।

सम्मानित हुई 26 प्रतिभाएं

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक व एफएम तड़का के संयुक्त तत्वावधान में पिछले दिनों लेकसिटी की 26 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इनमें शिक्षा, खेल, समाज सेवा, निशानेबाजी, गायन-वादन, कला सहित अन्य विधाओं की प्रतिभाएं शामिल थीं। कार्यक्रम में बतौर अतिथि महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, अर्थ डायग्नोस्टिक सेंटर के डॉ. अरविन्दर सिंह, घूमोसा डॉट कॉम की सुरभि जैन, एसआरएम इंटरनेशनल स्कूल के हिम्मतसिंह झाला व उमेश शर्मा, सोजतिया ज्वैलर्स की रीना व साक्षी सोजतिया, पंजाब नेशनल बैंक के मुकेश जैन व एसके गुप्ता और होटल लेकेण्ड के ऋषि भंडारी सहित राजस्थान पत्रिका शाखा प्रबंधक प्रिंस प्रजापत, एफएम तड़का के योगेश नागदा भी उपस्थित थे। संचालन आरजे अंकित व भानू ने किया।

मिरेंडा में सृजन-2020 का कार्निवाल

उदयपुर। मिरेण्डा सीनियर सैकण्डरी स्कूल हिरणमगरी सेक्टर-5 के वनी गार्डन में गत दिनों सृजन-2020 कार्निवाल सम्पन्न हुआ।

विद्यालय के निदेशक दिलीप सिंह यादव ने बताया कि शुभारम्भ नाथद्वारा मंदिर मंडल के सुधाकर शास्त्री, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, आरएसएमएम के प्रबंध निदेशक सोमनाथ मिश्रा, महापौर जी. एस. टांक एवं उपमहापौर पारस सिंघवी ने किया।

प्राचार्य ने बताया कि आयोजन का मुख्य आकर्षण स्मार्ट सिटी का 50 फीट लम्बा मॉडल, राजस्थान की संस्कृति पर आधारित विभिन्न झांकियां, मनोरंजन के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन और फूड कोर्ट के माध्यम से विभिन्न व्यंजन मुख्य थे। इस मौके पर सचिव डॉ. महेन्द्र सिंह यादव व प्राचार्य मोना पालीवाल भी मौजूद थे।

पांच वरिष्ठ पत्रकारों को मीडिया अवार्ड

उदयपुर के भैरव बाग में 18 जनवरी की ढलती शाम 'उदयपुर मीडिया अवार्ड 2020' का रंगारंग आयोजन हुआ। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, शैलेश व्यास, प्रदीप मोगरा, प्रकाश शर्मा और कमलेश शर्मा को विशिष्ट मीडिया अवार्ड प्रदान किया गया। समारोह के प्रायोजक अर्थ डायग्नोस्टिक, प्रोम्प्ट इंफ्राकॉम, आरबीएस फाउण्डेशन, जेएसजी लेकसिटी युवा फोरम तथा जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान(जार) थे।

मुख्य अतिथि अर्थ डायग्नोस्टिक के निदेशक डॉ. अरविन्दर सिंह ने कहा कि मीडिया समाज का एक महत्वपूर्ण और जिम्मेदार अंग है। वह जब किसी ख़बर या घटना का विश्लेषण करता है तो पाठक उसे सहज और विश्वासपूर्वक ग्रहण करता है। ऐसे में पत्रकारों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। इसीलिए उन्हें लोकतंत्र का प्रहरी भी कहा गया है। विशिष्ट अतिथि राजस्थान पत्रिका के स्थानीय संस्करण के सम्पादक संदीप पुरोहित ने कहा कि उदयपुर बहुत खूबसूरत और अपने ही अलग अन्दाज वाला अनूठा शहर है। शहर के विकास के साथ यहां का लाजवाब हेरिटेज गुम न हो जाए, इस पर सतत् निगरानी की ज़रूरत है। समारोह के आरंभ में प्रोम्प्ट इंफ्राकॉम के सैयद तबरेज अली ने सभी का स्वागत किया। संयोजक अल्पेश लोढ़ा ने मीडिया अवार्ड के द्वितीय संस्करण की विधिवत् घोषणा की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जार-उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. तुक्तक भानावत, आरबीएस फाउण्डेशन के सुरेश शर्मा, जेएसजी लेकसिटी युवा फोरम के अध्यक्ष शुभम् गांधी भी मौजूद थे।

उक्त पांच विशिष्ट मीडिया अवार्ड के साथ ही पत्रकार मुकेश हिंगड़, डॉ. रवि शर्मा, पवन खाब्या, भूपेश दाधीच, कैलाश सांखला, मनु राव, कपिल श्रीमाली, भुवनेश पंड्या, डॉ. सुधा कावड़िया, प्रमोद सोनी, आनंद शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा, ताराचंद गवारिया, अब्दुल लतीफ, मधुलिका सिंह, लकी जैन, अविनाश जगनावत, अब्बास रिज़वी, जयश्री नागदा, छोगालाल भोई, पुष्पेन्द्र सोलंकी, प्रमोद श्रीवास्तव, जोधाराम देवासी, अनिल जैन, आमिर शेख़, फलक सिरोया, राजेन्द्र हिलोरिया को भी सम्मानित किया गया। विज्ञापन एजेंसी एवं कॉर्पोरेड अवार्ड श्रेणी में संदीप खमेसरा, हर्षमित्र सरूपरिया, हीरालाल-कैलाश रावत, शिव-दीपक रावत, ललित मेहता, राजीव मुरडिया, प्रकाश पालीवाल, बी एन हरलालका, गौरव कटारिया, हितेश जोशी व मुकेश मूंदड़ा को नवाजा गया।

रिपोर्ट : अजय आचार्य

100 चेंजमेकर्स सीजन-2 की लॉन्चिंग

उदयपुर। एम स्क्वायर पब्लिकेशन प्रा. लि. की प्रकाशित 100 चेंज मेकर्स बुक सीजन-2 को जुस्ता राजपूताना रिसोर्ट के दरबार हाल में लॉन्च किया गया। समारोह में समाज को बदलने का प्रयास करने वाले लोगों को सम्मान से नवाजा गया। रवीन्द्र श्रीमाली, पंकज शर्मा, सोजतिया ग्रुप की रीना सोजतिया, शक्तिसिंह, राव अजातशत्रु, जितेन्द्र शर्मा, मौजूद थे। एम स्क्वायर के दिनेश गोठवाल, आलोक पगारिया, भानू प्रतापसिंह धायभाई आदि मौजूद थे।

फोर्ड इको स्पोर्ट बीएस-6 लॉन्च

उदयपुर। फोर्ड इंडिया के अधिकृत डीलर केएस फोर्ड पर नई कार फोर्ड इको स्पोर्ट बीएस-6 की लॉन्चिंग एसबीआई डिविजनल जनरल मैनेजर एस. विजय कुमार ने की। डीलर प्रिन्सिपल एस के परिहार ने बताया कि नई कार पेट्रोल और डीजल दोनों श्रेणी में उपलब्ध है। बीएस-6 मॉडल लगभग बीएस-4 की कीमत में ही लॉन्च की गई है, जो कि इस श्रेणी में प्रथम है। डायरेक्टर आकाश परिहार ने बताया कि पेट्रोल में एक्स शोरूम कीमत 8,04,000 और डीजल में 8,54000 है। सुरक्षा के लिए 6 एयर बेग, एबीएस, सनरूफ सहित कई तरह के फीचर्स दिए गए हैं।

सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह

उदयपुर। पिछले दिनों सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत शहर के गांधी ग्राउंड में एक साथ हजारों विद्यार्थियों व आमजन ने हेलमेट पहनने व सड़क सुरक्षा का संकल्प लेते हुए शपथ ली। सड़क सुरक्षा जागरूकता को लेकर जिला प्रशासन, परिवहन विभाग पुलिस, शिक्षा विभाग, रोटरी क्लब पन्ना व आधार फाउण्डेशन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न राजकीय व निजी विद्यालयों से एक हजार से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। नगर निगम आयुक्त अंकित कुमार सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर ओ पी बुनकर, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़, जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा, डिप्टी यातायात सुधा पालावत, तारिका भानुप्रताप, अशोक पालीवाल, रोशनलाल जैन, सुभाष सिंघवी, नारायण चौधरी आदि मौजूद थे।

आईजी ने बढ़ाया हौसला : इस दौरान यातायात व्यवस्था संभाल रहे अनुष्का ग्रुप के स्टूडेंट ट्रैफिक वोलंटियर से आईजी बिनिता ठाकुर ने भेंटकर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों से पूछा कि हाल फिलहाल शिक्षा में क्या कर रहे हैं तो अनुष्का ग्रुप के निदेशक राजीव सुराणा ने बताया कि उनमें से कोई आईएएस, आईपीएस ऑफिसर बनना चाहता है, तो कई कानून के क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। यातायात पुलिस के डीवायएसपी सुधा पालावत तथा नेत्रपाल सिंह ने बताया कि अनुष्का ग्रुप के विद्यार्थियों द्वारा सुरक्षा सप्ताह में काफी अच्छा कार्य किया गया।

सिंघवी रोटरी पब्लिक इमेज को-ऑर्डिनेटर नियुक्त

उदयपुर। रोटरी अंतरराष्ट्रीय अमेरिका द्वारा उदयपुर क्लब के स्थानीय पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी को राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश राज्यों में रोटरी द्वारा मानव सेवा के उत्कृष्ट आयाम स्थापित करने के लिए रोटरी पब्लिक इमेज को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

गायत्री धाम में सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार

उदयपुर/सलूम्बर। जिले की सलूम्बर तहसील के ग्राम ईडाणा में नागदा ब्राह्मण समाज द्वारा 10 वर्ष पूर्व स्थापित भव्य गायत्री धाम में 2 फरवरी को 27 बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार एवं 26 अप्रेल को होने वाले सामूहिक विवाह समारोह के पोस्टर का विमोचन सम्पन्न हुआ। यज्ञोपवित संस्कार आचार्य शंकरलाल चौबीसा के मार्गदर्शन में विधि-विधान से हुआ। कार्यक्रम में वेदमाता गायत्री वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय संस्थान के स्टाफ, भामाशाहों और वरिष्ठ समाजजन का अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मावली विधायक धर्मनारायण जोशी व विप्र फाउण्डेशन राजस्थान 'ए' जोन के अध्यक्ष के. के. शर्मा थे। अतिथियों का स्वागत छगनलाल नागदा खरका ने किया। संस्थान का प्रतिवेदन पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल नागदा ने प्रस्तुत किया। पं. अम्बालाल सराड़ी व अध्यक्ष रूपलाल खरका ने संस्थान की गतिविधियों व भावी रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

गणेश नागदा भुताला व शांतिलाल नागदा टूस ने सामूहिक विवाह पोस्टर का विमोचन कराया। इस अवसर पर विष्णु शर्मा हितैषी, पं. गणेशलाल नागदा, भेरूशंकर भैंसड़ा, हीरालाल लखावली, रमेश नागदा, मांगीलाल नागदा, दामोदर नागदा, चुन्नीलाल नागदा सोकड़ी, डालचंद गायफल, मोहन नागदा माल की टूस, विप्र कॉलेज के प्राचार्य, आर. के. व्यास, विप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष के. के. शर्मा व समाजसेवी नरेन्द्र पालीवाल भी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन भगवानलाल नागदा गुड़ ने किया।

खनिज विकास में भूवैज्ञानिकों की अहम भूमिका : दशोरा

उदयपुर। सुविवि के भूविज्ञान विभाग में गत दिनों दो दिवसीय 10वां अखिल भारतीय भूविज्ञान विद्यार्थी सेमिनार 'जियो यूथ-2020' सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि हिन्द जिंक खनन गतिविधियों के प्रमुख आर. पी. दशोरा ने कहा कि खनिज विकास में भू-वैज्ञानिकों की अहम भूमिका है। उन्होंने नए खनिज भंडारों की खोज पर जोर दिया।

खान एवं भूविज्ञान विभाग के पूर्व निदेशक पीके वर्डिया ने कहा कि

भूविज्ञान फिल्ड आधारित विज्ञान है। छात्रों को फिल्ड वर्क पर ज्यादा ध्यान और समय देना चाहिए। उदयपुर मार्बल प्रोसेसिंग एसोसिएशन अध्यक्ष बन्नाराम चौधरी, विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. बी आर बामनिया ने भी विचार व्यक्त किए। विभागाध्यक्ष प्रो. एस. आर जाखड़ ने बताया कि सेमिनार में देशभर के 15 विश्वविद्यालयों के 120 विद्यार्थी शामिल हुए। तीन तकनीकी सत्रों में 31 शोध पत्रों का वाचन किया गया।

सचिन मोटर्स को 'बेस्ट डीलर' सम्मान

उदयपुर। पियाजिओ व्हील्स प्रा. लि. ने पुणे में पिछले दिनों सम्पन्न ऑल इण्डिया डीलर्स कॉन्फ्रेंस में उदयपुर के अधिकृत डीलर सचिन मोटर्स को बेस्ट डीलर सम्मान प्रदान किया। जिसे प्रतिष्ठान के निदेशक सुभाष सिंघवी ने ग्रहण किया।

हेल्थ केयर यूनिट का उद्‌घाटन

उदयपुर। सैलस मेडिकेयर की ओर से होम हेल्थ केयर सुविधा का विस्तार करते हुए नवीन शाखा का शुभारम्भ गीतांजली हॉस्पिटल में किया गया। उद्घाटन गीतांजली

युनिवर्सिटी के एमडी अंकित अग्रवाल, हॉस्पिटल के एमडी प्रतीम तम्बोली ने किया। निदेशक डॉ. हनवन्त सिंह ने बताया कि हॉस्पिटल से उपचार के बाद घर जाने वाले मरीजों को नर्सिंग सुविधा, केयर टेकर, चिकित्सकीय उपकरण, फिजियो केयर सुविधा प्रदान की जाएगी।

हनुमान मंदिर का पाटोत्सव

ब्यावर। श्रीसीमेन्ट परिसर स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव 13 से 16 फरवरी तक विविध अनुष्ठानों के साथ सम्पन्न हुआ। सभी अनुष्ठान कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक पी. एन. छंगाणी, संजय मेहता, अरविन्द खींचा, विनय सक्सेना, एम. एम. राठी, के. के. जैन, आर. के. अग्रवाल, आर. एन. डाणी, अनिल

कुमार गुप्ता, सतीश माहेश्वरी, संजय जैन, एस. के. शर्मा, पंकज अग्रवाल सहित ब्यावर व रास के विभिन्न विभगों के अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिवारों के सान्निध्य में सम्पन्न हुए। छंगाणी ने बताया कि वार्षिकोत्सव के दौरान श्रीहनुमानजी का मनमोहक श्रृंगार किया गया। पुष्कर के पं. लक्ष्मीनारायण के सान्निध्य में गर्भ गृह में देवस्थापना के बाद विशेष पूजा की गई। 14 फरवरी को अखण्ड रामायण पाठ, 15 फरवरी को अभिषेक व पूर्णाहुति तथा शोभायात्रा का आयोजन हुआ। 16 फरवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ वार्षिकोत्सव का समापन हुआ। समूचा मंदिर इन्द्रधनुषी रोशनी से लकदक था। सांस्कृतिक संध्या में देश-विदेश के ख्याति लब्ध कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। महाप्रसादी का आयोजन भी हुआ।

'ब्लू रिबन' अवार्ड से सम्मानित हुए बैंक

उदयपुर। पिछले माह गोवा में सम्पन्न नागरिक सहकारी बैंको के त्रिदिवसीय राष्ट्रीय समिट में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले सहकारी बैंको को सम्मानित करते हुए उन्हें ब्लू रिबन अवार्ड प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के सेन्ट्रल ऑडिटर एवं वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट शरद भागवत थे। उदयपुर और चित्तौड़गढ़ के सहकारी बैंकों को भी इस अवार्ड से नवाजा गया। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की ओर से ब्लू रिबन अवार्ड चेयरपर्सन विमला सेठिया, निदेशक सुनीता सिसोदिया व प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी ने ग्रहण किया। दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव को श्रेष्ठ महिला बैंक के रूप में सम्मानित किया गया। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत एवं आईटी हैड निपुण चित्तौड़ा ने तालियों की गूंज के बीच सम्मान ग्रहण किया। दी उदयपुर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. को सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए अवार्ड मिला। जिसे बैंक के उपाध्यक्ष तौसिफ हुसैन, निदेशक नजमुद्दीन, अब्बास अली और मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुरेश टीन वाला ने मुख्य अतिथि से प्राप्त किया। इन सभी को ट्रॉफी प्रदान की गई।

चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की चेयरपर्सन विमला सेठिया, निदेशक सुनीता सिसोदिया व प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी ने पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक के सीईओ विनोद चपलोत अवार्ड ग्रहण करते हुए।

संजीवनी में सम्मान समारोह

उदयपुर। उदयपुर महिला एवं बाल विकास समिति के संजीवनी आश्रम में गत दिनों पाराखेत स्थित परिसर में सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें संस्था के विकास में योगदान के लिए हरीश जैन, विष्णु शर्मा हितैषी, राजेश बी. मेहता, डॉ. ओ. पी. महात्मा, दिनेश भाई पटेल, मितेश नागौरी व सुभाष जैन को सम्मानित किया गया। स्वागत संस्था सचिव शकुन्तला गोस्वामी ने तथा संचालन गीता भारती व धन्यवाद ज्ञापन रमेशगिरी ने किया।

रेलवे महाप्रबंधक को ज्ञापन

मावली। जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने आए महाप्रबंधक आनंद प्रकाश का शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान के महामंत्री बसंत कुमार त्रिपाठी ने नगर पालिका अभियान समिति सदस्यों के साथ भव्य स्वागत कर मांग पत्र प्रस्तुत किया। जिसमें मावली रेलवे स्टेशन को आदर्श स्टेशन बनाने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर ओम प्रकाश चेचानी, सतीश मेहरा, शंकर दास वैष्णव, शंकरलाल जिनावत, बंशी दास वैरागी, नारायण चौधरी, सुंदरलाल चौधरी, देवीलाल विजयवर्गीय आदि उपस्थित थे।

जेआर शर्मा स्मृति सप्ताह

झाड़ोल(फ)। जेआर शर्मा स्मृति सप्ताह का टीटी कॉलेज बीड़ा में समापन समारोह हुआ। अध्यक्षता संस्था सचिव गिरिजाशंकर शर्मा ने की। मुख्य अतिथि अशोक वर्मा, विशिष्ट अतिथि हिम्मत देवी, आशा शर्मा, कमला भट्ट, ललित शर्मा थे। कॉलेज की छात्राध्यापिकाओं ने कक्षाकक्ष साज-सज्जा, रंगोली में भाग लेने के साथ एकल गान, समूह गान, कविता पाठ, नृत्य की प्रस्तुतियां दी। अतिथियों ने विजेताओं का सम्मान किया। संचालन रामचंद्र जन्नावत ने किया। जयश्री रावल ने आभार जताया।

चित्तौड़ा को मिला सम्मान

उदयपुर। लेकसिटी के चन्द्र प्रकाश चित्तौड़ा को विश्व की सबसे छोटी बाइण्डिंग बुक के संग्रह पर रॉयल सक्सेस इन्टरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने का सम्मान मिला। इस सबसे छोटी बाइण्डिंग बुक में देश-विदेश के महापुरुषों के अलावा कलाकारों का भी जीवन परिचय है। जिनमें पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत भी हैं। हनुमान चालीसा सबसे छोटी मात्र 0.02 मिलीमीटर व 42 पेज की है। चित्तौड़ा को इस उपलब्धि पर रॉयल सक्सेज इन्टरनेशनल बुक के भारतीय कार्यालय हैदराबाद(तेलंगाना) से फाउण्डर चेयरमैन जेवी ने प्रमाण पत्र और मेडल प्रेषित किया।

हिम्मत बडाला चैम्बर के कार्यकारी अध्यक्ष

उदयपुर। चेम्बर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन के अध्यक्ष एवं उपमहापौर पारस सिंघवी ने हिम्मत बडाला को चैम्बर का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। महामंत्री राजमल जैन ने बताया कि व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बडाला का अभिनंदन किया।

राय मुख्य संरक्षक बने

उदयपुर। जयशंकर राय को मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन उत्तरप्रदेश की कार्यकारिणी में मुख्य संरक्षक बनाया गया। यह जानकारी महासचिव कृष्णानंद उपाध्याय ने दी।

इनरव्हील क्लब सम्मानित

उदयपुर। गीतांजलि हॉस्पीटल के कैंसर केन्द्र की ओर से पिछले दिनों 'कैंसर मुक्त समाज' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उन लोगों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने कैंसर से लड़ते हुए ज़िन्दगी की जंग जीत ली और जिन्होंने उसमें सहायता की। इसी क्रम में इनरव्हील क्लब को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रेखा भाणावत, सुन्दरी छतवानी, देविका सिंघवी, कांता जोधावत, प्रणिता व्यास, मधु सरीन सहित अन्य सदस्याएं मौजूद थीं।

महावीर धाम रजत जयंती समारोह मई में

उदयपुर। आदिनाथ मानव कल्याण समिति के तत्वावधान में 16 मार्च को महावीर धाम, कविता ग्राम में आदिनाथ जन्म दीक्षा कल्याणक मनाया जाएगा। जिसमें स्नात्र पूजा अनिल वैष्णव एण्ड पार्टी तथा पंच कल्याणक पूजा शांतिनाथ भक्त मण्डल द्वारा सम्पन्न कराई जाएगी। संस्थापक म. सुधर्म सागर के सान्निध्य में ही 3 मई को महावीर धाम का रजत जयंती समारोह मनाया जाएगा। समणी आनंदी बाई ने बताया कि उक्त दोनों कार्यक्रमों की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं।

शिविर में 100 विद्यार्थियों की जांच

उदयपुर। परतानी नाक कान गला हॉस्पिटल से सम्बद्ध परतानी फाउंडेशन पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रतापनगर स्थित अंकित पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल में नि:शुल्क जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। निदेशक डॉ. लोकेश परतानी ने बताया कि लगभग 100 विद्यार्थियों की जांच की गई। योगेश शर्मा, डॉ. बी एल कुमावत, मुस्तफा ने नाक, कान, गले की देखभाल की जानकारी दी। विद्यालय के प्रदीप सुखवाल, भारती शर्मा ने आभार जताया।

खिलवानी बने पुनः अध्यक्ष

उदयपु। सब्जी फ्रूट व्यापारी एसोसिएशन के चुनाव में मुकेश खिलवानी पुन: अध्यक्ष चुने गए। चुनाव अधिकारी सुरेश रामेजा ने बताया कि खिलवानी को 61 मत मिले।

अंतर विद्यालयी नृत्य स्पर्धा

उदयपुर। इंटर स्कूल डांस कम्पटीशन का फिनाले सेंट एंथोनीज सीनियर सेकंडरी स्कूल गोवर्धन विलास में सम्पन्न हुआ। जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक धमाकेदार प्रस्तुतियां दी। अध्यक्षता उदयपुर राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी श्वेता फगेरिया ने की। राजीव सूरती डांस फैक्ट्री की निर्देशिका लीना शर्मा ने बताया कि इस कंपटीशन में 50 प्रस्तुतियां दी गई। विशिष्ट अतिथि विलियम डिसूजा, प्रकाश मेनारिया, मुकेश माधवानी व अशोक पालीवाल थे।

इंग्लिश चैंप में स्कूली बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

उदयपुर। न्यू भूपालपुरा स्थित सेन्ट्रल पब्लिक सी. सैकण्डरी स्कूल के छात्र इंग्लिश चैम्पियन बने। इंग्लिश चैंप के 9 विजेताओं - इर्तिका रज़ा चौधरी, माधवी प्रजापत, धरा गुर्जर, स्वस्ति शाह, देवांशी त्यागी, जैनी साहू, चित्रांशी कवित्कर, भैरवी गुप्ता व यथार्थ ओझा को चेयरपर्सन अलका शर्मा, प्रशासकीय निदेशक अनिल शर्मा ने पुरस्कार दिए।

युवा रंगकर्मी टांक को सम्मान

उदयपुर। जवाहर कला केन्द्र जयपुर में रंग मस्ताने समूह एवं कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान द्वारा आयोजित रंग राजस्थान महोत्सव में उदयपुर के रंगकर्मी सुनील टांक को सम्मानित किया गया। कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने टांक सहित प्रदेश के 15 वरिष्ठ एवं युवा रंगकर्मियों को सम्मानित किया।

शोक समाचार

उदयपुर। प्रो. राजेन्द्र प्रसाद जी जोशी (सुपुत्र स्वतंत्रता सेनानी एवं वरिष्ठ पत्रकार स्व. दुर्गेश जी जोशी-श्रीमती सुशीला जी) का 24 जनवरी को देवलोकगमन हुआ। प्रो. जोशी महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर से सेवानिवृत्त हुए। 70 वर्षीय जोशी ने 30 से अधिक पुस्तकें लिखीं। वे विश्वविद्यालय स्तरीय विभिन्न कमेटियों के सदस्य भी रहे। उन्हें शिक्षा में योगदान के लिए अनेक पुरस्कार और सम्मान मिले। पिछले ही वर्ष उन्हें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी में सम्मानित किया था। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती प्रेमलता, पुत्र मनीष, पुत्रियां योगिता व मीनाक्षी सहित भाई-बहिन, भतीजों, भानजों, पौत्री, दोहित्र-दोहित्रि सहित सम्पन्न एवं भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर कांग्रेस-भाजपा एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

उदयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री पवन खेड़ा की माताजी श्रीमती निर्मल कांता खेड़ा का 13 फरवरी को ओटीसी स्कीम स्थित निवास पर निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र पवन खेड़ा, पुत्रियां नीता ग्रोवर व रूपम खेड़ा सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा स्पीकर डॉ. सी. पी. जोशी, उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, वरिष्ठ नेता डॉ. गिरिजा व्यास, रघुवीर सिंह मीणा, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा, देहात जिलाध्यक्ष लालसिंह झाला, प्रदेश सचिव पंकज कुमार शर्मा ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

उदयपुर। श्री कांतिलाल मेहता गुड़वाला (78) का 12 फरवरी को देहान्त हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती देवी, पुत्र अनिल मेहता, पुत्रियां साधना अरवावत, डिम्पल खेड़वा व डॉ. शर्मिला जैन सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का विशाल एवं समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री बलदेवसिंह जी भल्ला का 13 फरवरी को उनके मीरा नगर स्थित आवास पर आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी, पुत्र शैलेन्द्र भल्ला, पुत्री श्रीमती दीपाली कालरा, पौत्र प्रियांशु सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

ARAVALI

GROUP - INDIA

AN ISO 9001:2008 Certified co.

Aravali Minerals & Chemical Industries Pvt. Ltd.

Quarry Owner, Processor, Exporter and Supplier of Indian Onyx, Marbles, Granites & other Natural Stones from Udaipur

MINERAL STONE CONSTRUCTION

- A wonder of nature- the Onyx Marble of Aravali, is most sought after by Architects and Master builders from all over the world for its distinct creamy white and subtle pink colors embellished with nature's own patterns.
- Aravali Onyx, with its fine grain texture and translucency, symbolises supreme luxury, extreme sensitivity and a high degree of aesthetics.
- Aravali Minerals & Chemical Industries is proud to uncover and present before connoisseurs across the globe, this dplendour of nature.

6 Continents 36 Countries, More then 400 Customers

B-132, Mewar Industrial Area, Madri, Udaipur-313003
Tel: 2490675, 2491357, 2491675
OFFICE:SP-1, Udhyog Vihar, Sukher, Udaipur-313003
E-mail: aravali.sunil@yahoo.com, aravali1975@gmail.com
Website: www.aravalionyx.com

VNP
vijeta
Namkeen
Perfect rising snacks.
Rich & Delicious Namkeen
Enjoy Every Time
VNP
VIJETA NAMKEEN PRODUCTS
Main Road Bhupalpura, Udaipur-313001, Rajasthan INDIA, Contact No. : 0294-2415817, Mob. : 09828555227
E-mail ID. : vijetanamkeen@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ
भारत टेंकर ट्रांसपोर्ट कम्पनी
प्रोपराईटर : पंडित लक्ष्मीनारायण गौड़
INDIAN OIL
पण्डित एण्ड संस कोन्ट्रेक्टर्स
सभी प्रकार के एसिड व केमीकल के ट्रांसपोर्टेशन का कार्य टेंकरों द्वारा समस्त भारत में करते हैं।
भारी मशीनरी व एक्सीडेन्टल गाड़ियों को उठाने के लिये क्रेनें हर समय उपलब्ध रहती हैं।
हैवी अर्थमूविंग मशीनें (टाटा-हिटाची, एल. एण्ड टी.-सी.के.-90, पोकलेन, डोजर, डम्पर) किराये पर उपलब्ध हैं।
35–ए, सेन्ट्रल एरिया, आवरी माता मंदिर के सामने, उदयपुर (राज.)
दूरभाष : 2584501, 2583334 (ऑ.) 2584502 (नि.) केबल : पंडित जी
ब्रांच : बडौदा, वापी, अंकलेश्वर

Marketing Office: 122-123, Hans Bhawan, 1 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi - 110002.
Tel: +91-11-2337 0828, 2337 9829.

Corporate Office: 21, Strand Road, Kolkata - 700001. | Tel: +91-33-2230 9601-05

www.shreecement.com

PP SINGHAL
CENTENNIAL

(Feb 13th, 1920 - July 4th, 1979)

OUR FOUNDER

Late Shri P P Singhal

Today, we mark the 100th Birth Anniversary of our Founder, who was a pioneer and a leader. His foresight laid the foundation of our businesses based on trust, innovation, excellence and courage. With deep gratitude, we pay our homage and rededicate ourselves to his vision and values.

Secure Meters Ltd.   PI Industries Ltd.   Wolkem India Ltd.